■ कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

■ रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

■ संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

■ पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 59, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अरावली देश के पर्यावरणीय भविष्य का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

न्याय, समता और बंधुता लोकतंत्र की आत्मा : योगी

- योगी का आह्वान-विधायिका बने संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच
- तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्याय, समता और बंधुता संविधान के ये तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आत्मा हैं। इन्हें साकार करने का सबसे प्रभावी मंच विधायिका है।

उन्होंने आह्वान कि विधायिका संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच बने। विधानसभा में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि विधायिका न केवल कानून निर्माण की धुरी है, बल्कि समग्र विकास की कार्ययोजना गढ़ने का मंच भी है। जहां सहमति-असहमति के बीच संवाद से समाधान निकलता है। सीएम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अत्यंत मजबूत हैं और दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। संसद और विधानसभाएं उस अंतिम व्यक्ति की आवाज को ताकत देती हैं, जो व्यवस्था की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। योगी ने बताया कि नियमावली में बदलाव से अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न व उनके साथ अनुपूरक प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

विकसित भारत-विकसित उप्र पर ऐतिहासिक विमर्श

मुख्यमंत्री योगी ने सम्मेलन में पारित छह प्रस्तावों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'विजन-2047' को साकार करने के लिए 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर सत्ता-विपक्ष के 300 से अधिक सदस्यों ने 24 घंटे तक निरंतर चर्चा की। उन्होंने बताया कि देर रात तक सदन में विचार-मंथन चलता रहा और व्यावहारिक सुझाव सामने आए।

तकनीक, प्रशिक्षण और नियमित बैठकें

योगी ने वर्ष में कम से कम 30 बैठकों के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संसद से लेकर नगर निकायों और पंचायतों तक के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के युग में पीछे नहीं रहा जा सकता। इसीलिए यूपी में ई-विधान, पेपरलेस कैबिनेट और पेपरलेस बजट लागू किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में विष बरामद हुआ है।

शबरिमला : पद्मकुमार व अन्य की याचिका खारिज

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शबरिमला में सोना चोरी होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार और दो अन्य की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ने पद्मकुमार, प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू राहत व एक अन्य को राहत देने से इनकार कर दिया।

प्रयागराज में सेना का हल्का विमान क्रैश, तालाब में गिरा

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ।

भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं। वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रयागराज में अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल की घेराबंदी कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप तय

मऊ। जिले की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ बुधवार को आरोप तय किए।

सुभासपा के विधायक अंसारी, दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में अदालत में पेश हुए। यह मामला फरवरी 2022 में दर्ज किया गया था। वकील दरोगा सिंह ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 2022 में अंसारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 (चुनावों में अवैध रूप से वाहन किराए पर लेने या खरीदने पर दंड) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप मुक्त करने का आवेदन दायर किया गया, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को विधायक के खिलाफ आरोप तय किए।

- जिले की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने आरोप तय किए

सोने में 6,500 रुपये का उछाल, 1.60 लाख पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

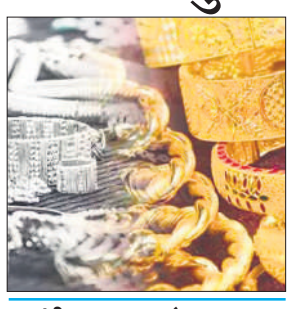

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 3.34 लाख प्रति किलोग्राम पर रही।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,500 रुपये यानी 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया।

मंगलवार को, सोने ने पहली बार देश की राजधानी में 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में भी लगातार नौवें दिन तेजी जारी रही। चांदी की कीमत 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 रुपये बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

- चांदी 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किग्रा हुई

वाई-फाई को बढ़ावा, 6 गीगाहर्ट्ज बैंड में 500 मेगाहर्ट्ज का स्पेक्ट्रम लाइसेंस मुक्त

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने छह गीगाहर्ट्ज बैंड की निचली फ्रीक्वेंसी रेंज में 500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को लाइसेंस-मुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस कदम से देश में वाई-फाई सेवाओं को काफी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

यह अधिसूचना 16 मई, 2025 को जारी मसौदा गजट अधिसूचना में छह गीगाहर्ट्ज बैंड वाली इस फ्रीक्वेंसी को लाइसेंस से मुक्त करने के इरादे की घोषणा के करीब छह महीने बाद जारी की गई है। अधिसूचना के मुताबिक, 5925-6425 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में कम-पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वायरलेस एक्सेस सिस्टम (रेडियो लोकल एरिया नेटवर्क (वाई-फाई) शामिल) के संचालन के लिए किसी लाइसेंस या फ्रीक्वेंसी आवंटन की जरूरत नहीं होगी।

- दूरसंचार विभाग ने अधिसूचना जारी की

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर प्रक्रिया में नोटिसों पर सुनवाई

जैतीपुर, अमृत विचार : बुधवार को विकासखंड कार्यालय पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत जारी नोटिसों की सुनवाई की गई। ब्लॉक मुख्यालय पर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनीष दत और बृजेश कुमार ने मतदाताओं के नोटिसों की जांच की। मतदाता सुबह से ही जवाब देने के लिए कार्यालय पहुंचने लगे थे। सुनवाई के दौरान आधार कार्ड की प्रति सहित आवश्यक दस्तावेज जमा कराए गए। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनीष दत्त ने बताया कि 50 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई है।

एसपी ने शिकायतों को सुना, दिए निर्देश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने जनसुनवाई के तहत कार्यालय में फरियादियों की शिकायतों को सुना। एसपी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर संबंधित थाना प्रभारी को निस्तारण करने के निर्देशित किया। इस अवसर एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार, सीओ सिटी पंकज पंत मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर वारंटी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना के उप निरीक्षक संदीप कुमार ने अभियुक्त आनंद कुमार निवासी सादिकपुर जैतपुर थाना मिर्जापुर के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर लिया और चालान कर दिया।

राष्ट्रीय तिरंगा एवं मित्रता समारोह का होगा आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रबुद्ध चेतना समिति की ओर से 25-26 जनवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय तिरंगा एकता एवं मित्रता समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र मोहन ज्ञान ने बताया कि 25 जनवरी को शाम चार बजे राष्ट्रीय तिरंगा एकता एवं मित्रता सम्मेलन और 26 जनवरी की शाम 4 बजे प्रबुद्ध महिला वर्ग सम्मान समारोह उप्र गन्ना किसान संस्थान में आयोजित किया जाएगा। दोनों कार्यक्रमों में प्रबुद्ध नागरिक राष्ट्रीय एकता पर अपने-अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसके अलावा 26 जनवरी पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति ने स्थगित किया आंदोलन

लगाए आरोप, बीएसए बोले- समायोजन अभी निरस्त नहीं किया जा सकता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति के तत्वावधान में पिछले तीन दिनों से चल रहे आंदोलन में ददरौल विधायक अरविंद सिंह ने पहुंचकर बीएसए को अनशन स्थल पर बुलाकर वार्ता की। इस दौरान शिक्षक नेताओं ने विभाग पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। विधायक ने हस्तक्षेप के बाद बीएसए ने समायोजन स्थगित करने की घोषणा की। संयुक्त मोर्चा ने 2 फरवरी तक यथास्थिति बनाने के वादे के साथ धरना स्थगित कर दिया।

अनशन स्थल पर बीएसए दिव्या गुप्ता से समायोजन प्रक्रिया पर जानकारी करते विधायक अरविंद सिंह। ● अमृत विचार

बुधवार को ददरौल विधायक अरविंद सिंह ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता को जीआईसी खेल मैदान खिरनी बाग अनशन स्थल बुलाकर उनसे समायोजन में हुई अनियमितताओं के बारे में जानकारी की। बीएसए कई सवालों के जवाब नहीं दे सकीं। विधायक के सख्त तेवर देखकर बीएसए अनके आगे कुछ बोल नहीं पाईं। इस दौरान शिक्षकों नेताओं ने कई आरोप लगाए। आखिरकार बीएसए को विधायक और संयुक्त मोर्चा के सामने बैकफुट पर आना पड़ा। 2 फरवरी तक जनपद में हुए समायोजन स्थगित करने की घोषणा की। विधायक ने बीएसए से कहा कि जो शिक्षक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं, वे पुनः अपने मूल विद्यालय में आएंगे और जब भी समायोजन होगा तो न्याय पंचायत पर समायोजन से लेकर प्रारंभ होकर पहले विकासखंड के विकासखंड में उसके बाद निकटवर्ती विकासखंड में समायोजन किया जाए। इस पर बीएसए ने कहा कि समायोजन अभी निरस्त नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह समायोजन पर उच्च न्यायालय में दायर की गई है जिसकी सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

शिक्षकों के साथ अन्याय होने पर पुनः आंदोलन होगा

संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए अपना आंदोलन स्थगित करने का ऐलान किया। संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि समायोजन में किसी शिक्षक के साथ कुछ गलत होता है, तो तत्काल आंदोलन पुनः प्रारंभ किया जाएगा। धर्मेंद्र शर्मा ने कहा धरना स्थगित हुआ है। यदि नियमानुसार दूसरी लिस्ट जारी न हुई तो दोबारा यही अनशन पर बैठेंगे।

बीएसए से संयुक्त मोर्चा की समायोजन विसंगति पर हुई वार्ता

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से संयुक्त मोर्चा के संयोजक मंडल ने मिलकर समायोजन विसंगति पर 16 जनवरी कों दिए गए ज्ञापन पर कृत कार्यवाही की जानकारी ली। बुधवार को बीएसए कार्यालय में बीएसए के साथ हुई वार्ता में कई बिन्दुओ पर सहमति बनी। बीएसए इस बिंदु पर सहमत हुयी कि महिला शिक्षकों का समायोजन ब्लॉक में काउंसलिंग कराके करना, 02 वर्ष की सेवा अवधि कम बाले शिक्षकों, दिव्यांग और गंभीर रोग से पीड़ित कों समायोजन से मुक्त रखने पर सहमति बनी है इसके बाद बीएसए ने कहा कि जिलाधिकारी 02 फ़रवरी तक अभी संशोधन पर कोई कार्यवाही नहीं करेंगे। कोर्ट स्टे लगा हुआ है, परन्तु हैड टीचर के समायोजन पर कोर्ट आदेश का पालन न होने पर जिलाधिकारी से शिक्षक संघ की वार्ता कराने पर बात हुई। बीएसए से वार्ता में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष ऋषिकान्त पाण्डेय, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह यादव, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मगरे लाल, प्रांतीय एससी एसटी बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अजय वर्मा, उर्दू टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष जुबैर आलम, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के अनंत बाजपेई, टीएससीटी के जिलाध्यक्ष सतीश सिंह, अटेवा से धनपाल, जिला कोषाध्यक्ष विनोद कुमार कश्यप, शिक्षा मित्र संघ के रामपूत पाल, के के सिंह के साथ राजकुमार सिंह, महेंद्र पाल सिंह, विजय प्रताप, विश्राम सिंह, सुभाष चंद्र मिश्रा, जितेंद्र कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार आदि थे।

संगठनों ने विधायक का जताया आभार

समायोजन स्थगित होने पर आंदोलन कर रहे उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र, देवेश बाजपेई, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, अंकुर त्रिपाठी, महेन्द्र सिंह, यूटा के जिला अध्यक्ष विनीत गंगवार, हरिशंकर, बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजकमल आर्य, प्रदीप जायसवाल, कौमी उर्दू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नफीस अहमद, उर्दू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष परवेज आलम, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनंत शंकर बाजपेई, अटेवा के जिला महामंत्री संजीव गंगवार, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनीस अहमद, महामंत्री संदीप मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के विजय प्रताप सिंह, जिला कोषाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ नितिन मिश्रा सहित तमाम शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विधायक का आभार जताया। संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति ने जनपद के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

शहीद रोशन सिंह जन्मोत्सव पर मेला

- कृषि मेला और स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों ने लिया लाभ

संवाददाता, खुदागंज

अमृत विचार: अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के पैतृक गांव नवादा में उनके जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय मेले का शुभारंभ किया गया। कृषि मेला और स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक रवि प्रकाश ने फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर संघ के प्रांत वाद्य प्रमुख नरेंद्र और अंबिका प्रसाद ने कृषि विभाग की ओर से लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर कृषि और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। वहीं पशुपालन विभाग ने कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार और ड्रोन से छिड़काव की तकनीक के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया।

मेले का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

मेले में लगे स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और मौके पर ही दवाएं प्राप्त कीं। इस दौरान ठाकुर अमर शहीद रोशन सिंह मेला आयोजन समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। मेले के दौरान आयोजित सभा में संघ के मध्य प्रमुख नरेंद्र ने कहा कि अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह का बलिदान देशहित में हुआ था और आज के युवाओं को राष्ट्र को सर्वोपरि रखकर समाज और देश के लिए अपनी प्रतिभा का उपयोग करना चाहिए। महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रेनू पांडे ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में महिला शक्ति का विशेष योगदान रहा है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। सभा में उपस्थित संत हनुमान नाथ ने कहा कि संत समाज सदैव समाज को सुव्यवस्थित करने और बलिदान का मार्ग दिखाने का कार्य करता रहा है। इस दौरान रोहित सिंह, गजेंद्र, धर्मजीत, विमलेश, घनश्याम, अशोक प्रधान, रामनिवास, प्रवीण कुमार सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्युत विभाग का चेकिंग अभियान कनेक्शन काटे

- कलेक्ट्रेट सभागार में किसानों की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा
- पराली आपूर्ति भुगतान और सम्मान की मांग उठी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

तिलहर, अमृत विचार: नगर क्षेत्र के मौजमपुर गोटियां में बुधवार को विद्युत विभाग ने चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान 15 बकायदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए और करीब दो दर्जन उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए गए। अभियान विद्युत जेई टाउन अनिल कुमार के निर्देशन में चलाया गया। कर्मचारियों ने पांच हजार रुपये से अधिक बकाया वाले कनेक्शनों की जांच की। इस दौरान सरचार्ज छूट योजना 2025-26 की जानकारी देकर उपभोक्ताओं से बिल भी जमा कराए गए। विभाग ने अपील की कि उपभोक्ता सरचार्ज छूट योजना के तहत बकाया जमा कर लाभ उठाएं। अभियान में टीजी-2 विश्वजीत, संजय कुमार, सुनील, सरताज, धर्मेंद्र और यश पांडे मौजूद रहे।

किसान दिवस में डीएम ने सुनीं समस्याएं

- कलेक्ट्रेट सभागार में किसानों की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा
- पराली आपूर्ति भुगतान और सम्मान की मांग उठी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बैठक करते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में किया गया। बैठक में कृषि उप निदेशक पुरुषोत्तम कुमार मिश्र ने पूर्व किसान दिवस में किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं के निस्तारण की प्रगति की जानकारी दी।

किसान दिवस में तिहार ऐजनपुर निवासी वीरपाल ने बताया कि उनके की ओर से गर्ग रिफाइनरी, पूरनपुर को लगभग 1500 कुंतल पराली की आपूर्ति की गई थी, जिसके सापेक्ष 330330 रुपये का भुगतान होना था। आरोप है कि कंपनी की ओर से 80000 रुपये रोक लिए गए हैं। उन्होंने शेष धनराशि दिलाए जाने की मांग रखी। बैठक में उपस्थित किसानों ने यह भी मांग की कि पराली न जलाने को लेकर उन्होंने अपने क्षेत्र के कृषकों को जागरूक किया। इस पर जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि आगामी कृषक सम्मान समारोह में ऐसे किसानों को उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया जाएगा। किसान दिवस में कुल सात कृषकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एनपी गुप्ता की ओर से तकनीकी जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी जितेन्द्र कुमार मिश्र, एलडीएम आर.आर. तिवारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. इन्द्रजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

अंडरग्राउंड डस्टबिन का उद्घाटन

- नागरिकों को मिलेगा स्वच्छ वातावरण : महापौर अर्चना वर्मा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महानगर क्षेत्र के चिनौर में नवनिर्मित अंडरग्राउंड डस्टबिन परियोजना का महापौर अर्चना वर्मा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। यह परियोजना क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर निगम का एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस मौके पर महापौर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि लोगों को गंदगी से मुक्ति दिलाई जा सके। चिनौर क्षेत्र में लंबे समय से ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थान को अब अंडरग्राउंड डस्टबिन एवं ब्यूटीफिकेशन के

अंडरग्राउंड डस्टबिन परियोजना का उद्घाटन करतीं महापौर अर्चना वर्मा। ● अमृत विचार

माध्यम से सुव्यवस्थित किया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम में नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेत मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: खेत की मेड़ पर लगे तारों में प्रवाहित करंट की चपेट में आकर अंकित कश्यप की मौत के मामले में खेत मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कांट थाना क्षेत्र के हसनपुर रसकूपा निवासी लक्ष्मी ने कांट थाना पर रिपोर्ट दर्ज करायी है कि गांव के रामकुमार ने अपने खेत की मेड़ पर लोहे के तार लगा रखे थे और करंट प्रवाहित कर रखा था। सोमवार की शाम उसके पति अंकित कश्यप खेत पर फसल की रखवाली करने और पशुओं को भगाने के लिए गए थे। उसके पति तारों में उलझ गए और प्रवाहित करंट से मौत हो गयी। खेत मालिक ने ट्रांसफार्मर से तार को जोड़ रखा था। प्रभारी निरीक्षक राकेश मौर्य ने बताया कि खेत मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

प्रगति और मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा

- डीएम की अध्यक्षता में नवोदय विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक
- सड़क, पानी, बिजली और सुरक्षा पर दिए गए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जवाहर नवोदय विद्यालय हथौड़ा बुजुर्ग में विद्यालय प्रबंधन समिति और विद्यालय सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में प्राचार्य ने विद्यालय की शैक्षणिक और भौतिक स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में लगभग 553 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और बीते कई वर्षों से विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। कई छात्र पहले ही प्रयास में नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में चयनित होकर मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। जिलाधिकारी ने विद्यालय को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत के माध्यम से शीघ्र निर्माण कराने के निर्देश दिए। बाउंड्री वॉल की कम ऊंचाई और आंतरिक सड़कों की खराब हालत को देखते हुए प्राचार्य को संबंधित कार्यों का एस्टीमेट तैयार कर नवोदय विद्यालय समिति मुख्यालय नोएडा भेजने को कहा।

विद्यालय में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध के बावजूद कुछ छात्रों द्वारा मोबाइल लाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पहली बार मोबाइल मिलने पर अभिभावकों को नोटिस दिया जाए और पुनरावृत्ति होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ओवरएज छात्रों के मामलों में प्रवेश के समय सतर्कता बरतने और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए गए। जेईई जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में चयनित होकर मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। बैठक में इस दौरान अन्य समस्याओं और उनके निस्तारण पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय प्रताप सिंह यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिनिधि, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रतिनिधि, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार, शिक्षाविद के रूप में एसएस महाविद्यालय के वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल, केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 के प्राचार्य परवेज हसन, अभिभावक प्रतिनिधि विनीत दीक्षित और कामना शर्मा रहे।

परौर थाने में 28 प्रशिक्षु महिला कांस्टेबलों ने कराई आमद

परौर, अमृत विचार: परौर थाने में 19 जनवरी को 28 प्रशिक्षु महिला कांस्टेबलों की आमद कराई गई है। यह सभी प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल थाने के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शांतिभंग नियंत्रण, कानून-व्यवस्था तथा थाना अभिलेखों से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी।

बुधवार को वरिष्ठ उप निरीक्षक विकेश कुमार के निर्देशन में महिला उप निरीक्षक प्रभा चौधरी, उप निरीक्षक जीतू खंडेलवाल, अनिल कुमार और विनय शुक्ला के साथ कांस्टेबल हिमांशु नागर ने थाने क्षेत्र में पैदल गश्त की। गश्त के दौरान वाहनों की चेकिंग भी की गई और लोगों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान प्रशिक्षु महिला कांस्टेबलों को ड्यूटी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया।

भीषण गर्मी व लू से बचाव को सिटी हीट एक्शन प्लान पर मंथन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- डीएम की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित
- जनहानि रोकने को ठोस और व्यवहारिक कार्ययोजना के निर्देश

अमृत विचार: जिले में बढ़ती गर्मी और लू से होने वाली संभावित जनहानि की रोकथाम के लिए सिटी हीट एक्शन प्लान तैयार करने को लेकर कलेक्ट्रेट में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर हीटवेव प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। डीएम को समिति का अध्यक्ष और नगर आयुक्त को सदस्य संयोजक नामित किया गया। डीएम ने बताया कि आगरा, लखनऊ और प्रयागराज की तर्ज पर अब जिले में भी सिटी हीट एक्शन प्लान तैयार किया जाना आवश्यक है, जिससे ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते तापमान और लू के दुष्प्रभावों से जनसामान्य को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप ठोस व व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। छायादार स्थलों के विकास, सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था, अस्पतालों में हीट-स्ट्रोक वार्ड की तैयारी, एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता और जागरूकता अभियानों को संचालित करने पर बल दिया गया। बैठक में नगर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी वित्त, डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डिप्टी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बीएसए, क्षेत्राधिकारी यातायात, अग्निशमन अधिकारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को गणित में रुचि पैदा करने को किया प्रेरित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रीय गणित दिवस विषय पर विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज में किया गया। बुधवार को विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम में वक्ताओं ने विभिन्न विद्यालयों से आये विद्यार्थियों एवं विभिन्न समूहों में गणित की रुचि पैदा करने, कौशल विकास में मापनीय परिणाम प्राप्त करने और गणित के क्षेत्र में निरंतर जुड़ाव और गणितीय साक्षरता और समस्या समाधान कौशन को बढ़ावा देने को जागरूक किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ हरिवंश कुमार ने छात्र/छात्राओं को गणितीय सोच उत्पन्न कर उसे प्रतिदिन की दिनचर्या में सम्मिलित करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुल 20 विद्यालयों के लगभग

पीएम श्री जीआईसी में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

- जीआईसी में हुआ विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम

250 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आये विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं को अतिथि वक्ताओं के समक्ष रखा, जिनका विषय विशेषज्ञों ने निराकरण किया। कार्यक्रम का संचालक समग्र शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा अभियान के समन्वयक राजन प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक अरशद अली का सहयोग रहा। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने अतिथि वक्ता के रूप में आये जीएफ कॉलेज के प्रो मुशर्रफ अली व एसएस कालेज के डॉ भानु प्रताप सिंह को एक-एक सजीव पौधा भेंट किया।

तालाब पर कब्जे की कोशिशें तेज, प्रशासन पर उठे सवाल

संवाददाता, खुदागंज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री की जल बचाओ योजना के तहत बीते वर्षों में विकास क्षेत्र खुदागंज में दर्जन भर से अधिक तालाबों का सौंदर्यकरण कराया गया था, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते अब नगर पंचायत क्षेत्र की ग्राम समाज भूमि पर बने लक्ष्मीपुर बांगर के तालाब पर लोग तालाब पाट कर कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। जबकि अधिकारी मौन धारण किए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बीते सप्ताह उन्होंने जिलाधिकारी को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों के अनुसार तालाब घनी आबादी के

खनन कर पाटा जा रहा तालाब।

बीच स्थित है, जिस कारण इसकी कीमत कई करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यही वजह है कि भू-माफिया इस तालाब पर कब्जा करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। रात के समय मिट्टी भराव कर तालाब को पाटने का काम तेजी से किया जा रहा है। उप जिलाधिकारी सदानंद सरोज ने बताया कि उक्त तालाब पर कुछ पट्टे थे, जिनके निरस्तीकरण की प्रक्रिया चल रही है। शीघ्र ही तालाब की नाप कराकर अवैध कब्जा हटाया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

जेब से मोबाइल निकालने वाला आरोपी दबोचा, रिपोर्ट

तिलहर, अमृत विचार : कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर पर आयोजित भंडारे के दौरान जेब से मोबाइल निकालने वाले युवक को भीड़ ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गांव चौडेरा थाना रामचंद्र मिशन शाहजहांपुर निवासी अशोक सक्सेना ने बताया कि वह भंडारे में खाना बना रहे थे, तभी एक युवक उनकी जेब से वीवो कंपनी का मोबाइल निकाल रहा था। लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ने बताया कि उसका दानिश पुत्र शमीम निवासी पक्का कटरा तिलहर है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दामाद के खिलाफ अपहरण का मुकदमा

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : न्यायालय के आदेश पर थाना पिहानी क्षेत्र के गांव हन्न पसगवां निवासी राधिका की ओर से दामाद के खिलाफ युवती को गायब करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। बताया गया कि गांव आटा खुर्द निवासी राकेश 10 जुलाई 2025 को अपनी पत्नी सुशीला के साथ हरिद्वार में नौकरी करने गया था, जहां से उसकी पत्नी अचानक गायब हो गई। हरिद्वार में गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद महिला का पता नहीं चल सका, जिसके बाद राकेश गांव लौट आया। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि हरिद्वार में महिला की गुमशुदगी दर्ज है और उसे शीघ्र बरामद किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर के बाहर से बाइक चोरी, दी तहरीर

खुटार, अमृत विचार : प्रतापपुर गांव निवासी विपिन कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि मंगलवार रात उसकी बाइक घर के बाहर बरामदे में खड़ी हुई थी। सुबह देखा तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक का कुछ पता नहीं चला। रात में किसी समय अज्ञात चोर बाइक को चोरी कर ले गया।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : कस्बे में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से गांव लक्ष्मनपुर निवासी अमर सिंह पुत्र हरद्वारी की हीरो डीलक्स बाइक चोरी हो गई। अमर सिंह बाइक को सब्जी बाजार के बाहर सड़क किनारे दुकानों के सामने खड़ी कर सब्जी खरीदने चले गए थे। लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि मामले की कोई लिखित सूचना प्राप्त नहीं हुई है, सूचना मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विद्या प्लाई फैक्ट्री में लगी आग, लाखों का नुकसान

तीन दमकल वाहन पहुचें, मशीन, प्लाई आदि सामान जलकर हुआ राख, पांच घंटे में आग पर पाया जा सका काबू, मचा हड़कंप

फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते हुए दमकल कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कांट रोड पर स्थित विद्या प्लाई एवं बोर्ड फैक्ट्री में अचानक आग लग गयी। आग लगने पर फैक्ट्री में मजदूरों में अफरा-तफरी मच गयी। सूचना पर तीन दमकल वाहन फैक्ट्री में पहुंच गयी। दमकल वाहनों ने पांच घंटे में आग पर काबू पाया। आग से मशीन समेत लाखों रुपये का नुकसान हो गया।

कांट क्षेत्र में कांट-जलालाबाद रोड पर विद्या प्लाई एवु बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री है। मंगलवार की रात दो बजे फैक्ट्री में लकड़ी, प्लाई में अचानक आग लग गयी। देखते-देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। आग की लपटे ऐसा लग रहा था कि आसमान को छू रही हो। फैक्ट्री में मजदूरों में अफरा-तफरी मच गयी। फैक्ट्री के प्रबंध तंत्र ने कांट थाना और अग्निशमन कार्यालय को सूचना दी। एक दमकल वाहन मौके पर पहुंच गया और आग को बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान कृभको फर्टिलाइजर का एक दमकल वाहन और पहुंच गया। इधर केआर पेपर मिल का एक दमकल वाहन पहुंच। तीनों दमकल वाहनों ने आग की लपटों पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया। बुधवार की सुबह सात बजे आग को पूरी तरह बुझाया गया। अग्निशमन अधिकारी वीडी पटेल ने बताया कि आग पहले लकड़ियों के ढेरों से लगी थी। आग से प्लाई, एक मशीन, लकड़ी आदि सामान जल गया। बताते है कि आग से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। आग लगने का कारण अज्ञात है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जांच की जा रही है।

आग से नकदी, जेवर समेत घरेलू सामान जला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला मक्कू बजरिया में विद्युत शार्ट सर्किट से एक कमरे में आग लग गयी। परिवार के लोग जान बचाकर घर के बाहर भागे। दमकल वाहन ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग से नकदी, जेवर समेत लाखों का घरेलू सामान जल गया। पहने कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा। सदर बाजार थाना के मोहल्ला मक्कू बजरिया निकट फौजी मैरिज लान निवासी मीनू मिश्रा के पति धर्मवीर की कई साल पहले मौत हो गयी थी। वह अपने बेटे हर्षित और भाई नवीन के साथ रहती हैं। उन्होंने और भाई नवीन व बेटे ने रात नौ बजे खाना खाया और सोने के लिए चले गए। वह और उनका बेटा व भाई अलग-अलग कमरे में सो रहे थे। मंगलवार की रात साढ़े 10 बजे हर्षित की अचानक नींद खुली और देखा कि कमरे में धुआं और आग की लपटे थी। वह निकलकर भागा तो दरवाजे के पास पैर फंस कर गिर गया। इस दौरान उसने शोर मचाया तो उसके मामा नवीन और माँ जाग गयी। तीनों लोग निकलकर मकान के बाहर आए और शोर मचाया। मोहल्ले वाले जाग गए। लोगों ने अग्निशमन कार्यालय को सूचना दी। दमकल वाहन ने पहुंचकर एक घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझाया। इधर, चौकी हद्दफ पुलिस मौके पर पहुंच गयी। मीनू मिश्रा ने बताया कि आग से 50 हजार रुपये, जेवर, अलमारियां, बक्से, बेड, रजाई, गद्दा आदि सामान जल गया। उन्होंने बताया कि लाखों रुपये का नुकसान हो गया। आग लगने का कारण विद्युत शार्ट सर्किट बताया जाता है। तहसील सदर से कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पूछताछ करने के बाद अपनी रिपोर्ट बनाकर ले गए।

- शार्ट सर्किट से लगी आग, पहने कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा
- आग लगने के बाद घर से निकल कर किसी तरह बचाई जान

मक्कू बजरिया में विद्युत शार्ट सर्किट से लगी आग में जला सामान।

चीनी मिल कॉलोनी में कर्मचारी के घर से हजारों की चोरी

तिलहर, अमृत विचार: दी किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड के प्रधान प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी विकास बाबू के चीनी मिल कॉलोनी स्थित आवास में चोरी की घटना सामने आई है। बीती 20 जनवरी की रात ड्यूटी से लौटने पर घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। आशंका पर सुरक्षा गार्ड बुलाए गए।

दरवाजा तोड़ने पर पीछे का लोहे का दरवाजा टूटा मिला और कमरे का सामान बिखरा हुआ था। घर से लगभग 57 हजार रुपये नकद, चांदी के बच्चों के खंडवा और चांदी की पायल चोरी होने की बात सामने आई। मौके पर एक जैकेट और कुछ कागजात मिले, जिनके आधार पर एक युवक पर संदेह जताते हुए पुलिस को तहरीर दी गई। कोतवाली पुलिस ने युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं अन्य सूत्रों से भी चोरों का पता लगया जा रहा है। जल्द ही खुलासा होगा।

फंदे से लटका मिला गर्भवती महिला का शव

संवाददाता, अमृत विचार

- मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप, पांच के खिलाफ रिपोर्ट

पुवायां : थाना क्षेत्र के गांव टकेली में विवाहिता का शव घर के अंदर फंदे पर लटकता मिला। महिला के मायके पक्ष के लोगों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

टकेली गांव निवासी सुमित की शादी वर्ष 2020 सपना (26) के साथ हुई थी। उसके दो साल की बेटी है। सपना गर्भवती है। बुधवार सुबह करीब 5 बजे परिजनों ने कमरे में सपना का शव साड़ी के सहारे फंदे पर लटका देखा तो उनकी चीख निकल गई। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस प्रकरण में सपना के परिजनों ने सुमित व उसके परिजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। सपना के पिता राकेश निवासी सुंदरपुर थाना माधोटांडा जिला पीलीभीत ने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी 15 फरवरी 2020 को राकेश के साथ की थी। शादी के बाद से ही राकेश व उसके परिजन दहेज के लिए सपना को प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि सपना के पति सुमित ने मृतका की मां को फोन कर धमकी दी थी कि अपनी लड़की को ले जाओ नहीं तो उसे मार देंगे। राकेश की तहरीर पर पुलिस ने सुमित कुमार, मुनेश, चंपा देवी, कुलदीप और राखी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अवसादग्रस्त ठेकेदार ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

संवाददाता सिंधौली/शाहजहांपुर

- मकान के निर्माण में मजदूर घायल हो गया था
- ठेकेदार बरेली के अस्पताल में करा रहा था इलाज
- खर्चा अधिक होने पर था अवसादग्रस्त हो गया

अमृत विचार : मजदूर का इलाज कराकर वापस लौटे ठेकेदार ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर का इलाज बरेली के निजी अस्पताल में हो रहा है।

मृतक सौरभ।

सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव मुड़िया पमार निवासी 20 वर्षीय सौरभ मकान बनवाने और लिंटर उठवाने का ठेका लेता था। वह काम कराने के लिए मजदूरों को लेकर जाया करता था। शनिवार को गांव मुड़िया पवार में लिंटर उठाने के दौरान अचानक लिंटर गिर गया था। गांव उमरिया का हर्षित दबकर घायल हो गया था। सौरभ ने घायल को निजी खर्चे पर ले जाकर बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। वह अपने खर्चे से घायल हर्षित का इलाज करवा रहा था। मंगलवार की रात सौरभ बरेली से घर वापस आ गया। उसने खाना खाया और कमरे में सोने के लिए चला गया। रात में दो बजे सौरभ ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया और उसकी तबीयत खराब हो गयी। वह कमरे में उल्टी करने लगा और चिल्लाते हुए तड़पने लगा। परिवार वालों की नींद खुली तो देखा कि सौरभी ने उल्टी कर रखी थी और तड़प रहा था। परिवार वाले उसे एक निजी अस्पताल में लेकर आए। जहां डाक्टर ने सौरभ को मृत घोषित कर दिया। सौरभ की शादी नहीं हुई थी और दो भाइयों में छोटा था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। भीखम सिंह ने बताया कि उसका बेटा सौरभ मजदूर के इलाज के बड़े खर्चे से परेशान था और डिप्रेशन में था। उसने रात में दो बजे जहरीला पदार्थ खा लिया था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सौरभ ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ठेकेदार सौरभ के रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

युवती ने जहरीला पदार्थ खाया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुवायां में एक युवती ने कमरे में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। परिवार वालों ने उसे देख लिया और सीएचसी पर ले गए। डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। पुवायां थाना क्षेत्र के एक गांव का व्यक्ति परिवार के साथ 18 वर्षीय बेटी की शादी के लिए लड़का देखने मंगलवार को गए थे। युवती ने दोपहर के समय जहरीला पदार्थ खा लिया था और तबीयत खराब होने पर परिवार के अन्य लोग आ गए। परिवार वाले पुवायां सीएचसी पर ले गए। इधर सूचना मिलने पर युवती के पिता भी आ गए। डाक्टर ने युवती को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। जहरीला पदार्थ खाने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। युवती का इलाज चल रहा है।

बिजली के जर्जर खम्भे दे रहे हादसे को दावत

- कई मोहल्लों में आधे झुके जर्जर खम्भों पर झूल रहे हैं तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महानगर में बिजली के जर्जर खम्भे हादसों को न्योता दे रहे हैं। कई मोहल्लों में गिरताऊ हालत के खम्भों पर तार झूल रहे हैं। पुराने होने की वजह से बिजली के खम्भे अत्यंत जर्जर हो चुके हैं। इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने कई बार अधिकारियों से शिकायत की, मगर अभी तक इन जर्जर खम्भों को बदला नहीं गया और न ही मरम्मत की गई।

महानगर के मोहल्ला ऐमन जई जलालनगर में एक मीनार मस्जिद से आगे बेदी की सब्जी दुकान के पास बिजली का पुराना एवं जर्जर खम्भा लगा हुआ है। खम्भा नीचे से काफी गल जाने की वजह से झुक गया है। जिससे हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। यहां रहने वाले वासिफ खां, डा जाहिद, प्रेमपाल, संजय, पिंटू आदि ने बताया कि जर्जर खम्भा वर्षों पुराना है। खम्भा जड़ से गल गया है। ये कभी भी गिर सकता है। ऐमनजई जलालनगर में शिव मदिर के पास भी खम्भा नीचे से आधा गल चुका है। इस खम्भे पर बिजली के तारों का जाल है। मोहल्ले के दिलीप आनंद, वारिस खां, जुनैद ने बताया कि जर्जर खम्बे की शिकायत कई बार अधिकारियों से की गई है, मगर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

जलालनगर में एक मीनार मस्जिद के पास लगा बिजली का जर्जर खंभा।

जलालनगर में लगा जर्जर झुका हुआ खंभा।

जर्जर खम्भों को हटाकर नए खम्भे लगाए जाएंगे : एक्सईएन

विद्युत विभाग के एक्सईएन रिषीपाल ने बताया कि महानगर में जर्जर खम्भों को बदलने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जल्द ही जर्जर खम्भों को हटाकर नए खम्भे लगाए जाएंगे।

इंस्पेक्टर ने दी गाली, लेकिन सिपाहियों को सजा मिली

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- जिन सिपाहियों को गाली दी गई उन्हीं कर दिया तबादला
- चर्चा थाना प्रभारी के सत्ताधारियों से हैं अच्छे रसूख, इसलिए बचे

अमृत विचार : चौक कोतवाली में इंस्पेक्टर ने सिपाहियों को गालियां दी थीं। थाना प्रभारी की गालियों का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसपी राजेश द्विवेदी ने दोनों सिपाहियों का तबादला कर दिया गया है। वहीं मामले की जांच सीओ सिटी को सौंप दी गई है।

एक सप्ताह पहले थाना प्रभारी चौक कोतवाली अश्वनी कुमार सिंह ने दो सिपाहियों को गालियां दी थी। मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया पर दो आडियो वायरल हुए थे। इंस्पेक्टर अपशब्द कहते हुए पीआरवी भेजने की बात कहता है। वहीं दूसरे ऑडियो में गाली गलौज करते हुए सिपाही को गोली मारने की भी धमकी देता है। ऑडियो वायरल होने के बाद हेड कांस्टेबल संजीव का तिलहर थाना और सिपाही गौरव का सिंधौली थाना तबादला कर दिया है। चर्चा है कि सजा गालीबाज इंस्पेक्टर को मिलनी चाहिए थी। जबकि सजा सिपाहियों को मिली। लोगों का कहना है कि इंस्पेक्टर के रसूख पर अधिकारियों के फैसले दब गए। इस प्रकरण में एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच सीओ सिटी को सौंपी गयी है। जांच प्रभावित न हो इसलिए हेड कांस्टेबल संजीव का तिलहर थाना और सिपाही गौरव का सिंधौली थाना तबादला कर दिया है।

सिटी डायरी

एडीएम ने एसआईआर कैंपों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

तिलहर, अमृत विचार : एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम कटने के बाद छूटे मतदाताओं की ओर से दर्ज कराई जा रही आपत्तियों को लेकर बुधवार को विभिन्न कैंपों का आयोजन किया गया। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के पुनः निरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी न होने के कारण सूची से बाहर हो गए थे, उन्होंने तिलहर क्षेत्र में लगाए गए कैंपों में पहुंचकर आपत्तियां दर्ज कराईं। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नायब तहसीलदार जलालपुर कार्यालय, खंड शिक्षा अधिकारी तिलहर ग्रामीण कार्यालय, नगर पालिका परिषद कक्ष संख्या एक और दो तथा तहसीलदार कार्यालय में मतदाताओं ने अपने दस्तावेज प्रस्तुत किए। दोपहर में एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने सभी कैंपों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ससुराल वालों ने बहू को घर से पीटकर निकाला, रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला अभायन निवासी परवीन ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी मोहल्ले में ही सरताज के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थी। ससुराल वालों ने कहा कि मायके से पांच लाख रुपये और कार मंगवाकर दो। पीड़िता ने कहा कि मायके वाले अब कुछ नहीं दे सकते है। ससुराल वाले और प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि एक माह पूर्व ससुराल वालों ने मारपीट करके तीन माह की बेटी फातमा के साथ घर से निकाल दिया। कांट प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पति समेत सरताज समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सिपाही पर लगाया मारपीट का आरोप, वीडियो वायरल

तिलहर, अमृत विचार : मोहल्ला इमली निवासी ताजिम ने बताया कि वह बुधवार दोपहर मोहल्ला बारह पत्थर स्थित सचिन राठौर की दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान चौहटियां पुलिस चौकी का सिपाही बृजेंद्र सिंह वहां पहुंचा और सचिन राठौर के बारे में पूछताछ की। दुकान पर मौजूद न होने की जानकारी देने पर सिपाही ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद आसपास के व्यापारी और स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, विरोध पर पीटा, शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद क्षेत्र में एक युवक मकान में घुस गया और महिला से दुष्कर्म करने का प्रयास किया। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। जलालाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि एक माह पूर्व दोपहर दो बजे वह घर पर अकेले थी। गांव का आशीष शराब के नशे में घर में घुस आया और महिला को गलत नीयत से पकड़ लिया। आरोप है कि गंदी हरकतें करना लगा। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी मौका पाकर भाग गया। महिला ने अपने पति से शिकायत की। उसका पति आरोपी के घर पर शिकायत करने के लिए गया। आरोप है कि आरोपी और उसके परिवार वालों ने महिला के पति को पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने थाना पर तहरीर दी और कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी समेत पांच लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

दो महिलाओं से की अश्लीलता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ले की एक कालोनी की महिला ने एसपी को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि 18 जनवरी को अपनी सहेली के साथ दावत खाकर शाम को लौट रही थी। कालोनी में टंकी के निकट एक युवक शराब के नशे में उससे टकरा गया। विरोध करने पर युवक ने गलत नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और पकड़कर कमरे में ले जाने का प्रयास किया। आरोप है कि आरोपी ने महिला के कपड़े फाड़ दिए और धारदार हथियार से घायल कर दिया। इस दौरान महिलाओं का पड़ोसी बचाने के लिए आया तो आरोपी ने अपने साथियों को बुला लिया। आरोपियों ने युवक को पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने मांग की है कि रिपोर्ट दर्ज करके कार्यवाही की जाए।

घर में घुसकर मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव महमूदपुर निवासी शिवनंदन ने गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ पत्नी के साथ मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने बताया कि रमेश, सुभाष और रमेश की पत्नी माया देवी ने घर में घुसकर उसकी पत्नी गुड्डी देवी को लाठी-डंडों से पीटा। हमले में गुड्डी देवी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और सिर फट गया। शोर सुनकर जब उसके पिता घर पहुंचे तो हमलावर धमकी और गालियां देते हुए मौके से फरार हो गए। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आरसी मिशन के अमित बने निरीक्षक क्राइम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने रामचंद्र मिशन थाना में निरीक्षक अमित कुमार की इंस्पेक्टर क्राइम पर नियुक्ति की है। उन्होंने 19 उप निरीक्षकों के थानों में फेरबदल किया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात 14 उपनिरीक्षकों की विभिन्न थानों में पोस्टिंग की गयी है।

प्रेम प्रसंग को लेकर बंडा चौराहे पर हंगामा

संवाददाता, बंडा

- प्रेमी के साथ जाने को घर से आ गई युवती
- युवती के परिजन इस रिश्ते के खिलाफ, शादी कहीं और तय कर दी

अमृत विचार: कस्बे के बंडा चौराहे से करीब 100 मीटर की दूरी पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब प्रेम प्रसंग के चलते दो पक्ष आमने-सामने आ गए। बताया जा रहा है कि पास-पास के गांवों के रहने वाले एक प्रेमी जोड़े का लंबे समय से आपसी संबंध था, लेकिन जातिगत अंतर के कारण युवती के परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे और उसकी शादी कहीं और तय कर दी गई थी।

इससे नाराज युवती घर से निकल आई और प्रेमी से मिलने पहुंच गई। दोनों कुछ दूर जाकर बातचीत कर ही रहे थे कि अचानक दोनों पक्षों के परिजन मौके पर पहुंच गए। पहले बातचीत हुई, लेकिन देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला हंगामे में बदल गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले आई। दोनों बातचीत कर ही रहे थे कि अचानक दोनों पक्षों के परिजन मौके पर पहुंच गए। इस दौरान युवती भी युवक के साथ जाने पर अड़ी रही। थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार राय ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए बने छह उड़नदस्ते

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के लिए तेजी से चल रही तैयारी

अमृत विचार : उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की 18 फरवरी से होने वाली हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए डीएम ने डीआईओएस, बीएसए और डायट प्राचार्य व प्रधानाचार्यों के नेतृत्व में छह उड़नदस्ते बनाए हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने छह सचल दलों का गठन किया है। डायट प्राचार्य सोनिया गुप्ता को सचल दल नंबर एक का प्रभारी बनाया गया है। इसमें उनके साथ डायट प्रवक्ता अजीत मिश्रा, अमन कुमार और वरुणा उपाध्याय सदस्य के तौर पर रहेंगे।

डीआईओएस हरिवंश कुमार दो नंबर उड़न दस्ते के प्रभारी बनाए गए हैं। उनकी टीम में सिंधौली के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलंदपुर गद्दीपुर के प्रधानाचार्य बाणासुर व राजकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय शहबाजनगर के सहायक अध्यापक डॉ. ब्रजेश कुमार व गीता चंद्रा शामिल रहेंगे। बीएसए दिव्या गुप्ता सचल नंबर तीन की प्रभारी होंगी। उनके नेतृत्व में राजवीर सिंह, ज्योति गुप्ता व विजय गुप्ता रहेंगे। नंबर चार उड़नदस्ता में पीएम श्री जीआईसी प्रधानाचार्य अनिल कुमार प्रभारी के साथ उमेश चंद्र अग्निहोत्री, प्रदीप चौहान व अंशु सक्सेना बतौर सदस्य रहेंगे। सचल दल नंबर पांच में प्रधानाचार्य ओमप्रकाश को प्रभारी व राघव मिश्रा, आशीष तिवारी, शशि सुमन सदस्य बनाया गया है। उड़नदस्ता नंबर 6 में जीआईसी कलान के प्रधानाचार्य संजीव कुमार प्रभारी व मनीराम, पारुल गुप्ता, बृजमोहन मौर्य सदस्य रहेंगे। पांच सचल दल निरीक्षण करेंगे, जबकि एक को रिजर्व में रखा जाएगा। डीआईओएस ने बताया कि परीक्षा के लिए 126 केंद्र बनाए गए हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा व बोर्ड परीक्षा के लिए सचल दल बनाए गए हैं।

कंट्रोल रूम के प्रभारी बने जीआईसी प्रधानाचार्य

डीआईओएस हरिवंश कुमार ने बताया कि जीआईसी में कंट्रोल रूम बनाकर कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। 24 जनवरी से एक फरवरी तक होने वाली इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षा की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम का गठन कर दिया गया है। डीआईओएस ने कंट्रोल रूम का प्रभारी जीआईसी के प्रधानाचार्य अनिल कुमार को बनाया है। कंट्रोल रूम में सुबह नौ से शाम छह बजे तक निगरानी के लिए 19 कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक कंप्यूटर पर 15 से 16 परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के लिए सहायक अध्यापकों की ड्यूटी लगाई है।

न्यूज ब्रीफ

वारियर्स ने कुमाऊं रेजिमेंट को हराया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मयूर स्पोर्टिंग की ओर से कैंट मैदान पर प्रारंभ हुए आज से कारगिल शहीद विक्रम बत्रा मेमोरियल लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में शाहजहांपुर वॉरियर्स ने कुमाऊं रेजिमेंट आर्मी को पांच विकेट से हराकर अगले मैच में प्रवेश किया। मैच का टॉस कुमाऊं रेजीमेंट आर्मी ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 80 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए शाहजहांपुर वॉरियर्स की टीम ने पांच विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अनुज गुप्ता को घोषित किया गया। मैच के अंपायर रिजवान एवं मयूर खन्ना एवं फरीद खान थे। जबकि स्कोरर सत्येंद्र थे।

दामाद के खिलाफ अपहरण का मुकदमा

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : न्यायालय के आदेश पर थाना पिहानी क्षेत्र के गांव हन्न पसगवां निवासी राधिका की ओर से दामाद के खिलाफ युवती को गायब करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। बताया गया कि गांव आटा खुर्द निवासी राकेश 10 जुलाई 2025 को पत्नी सुशीला के साथ हरिद्वार में नौकरी करने गया था, जहां से उसकी पत्नी अचानक गायब हो गई। हरिद्वार में गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद महिला का पता नहीं चल सका, जिसके बाद राकेश गांव लौट आया। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि हरिद्वार में महिला की गुमशुदगी दर्ज है। बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

खुटार, अमृत विचार : प्रतापपुर गांव निवासी विपिन कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मंगलवार रात बाइक घर के बाहर बरामदे में खड़ी हुई थी। सुबह देखा तो बाइक गायब थी। रात में किसी समय अज्ञात चोर बाइक को चोरी कर ले गया।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : कस्बे में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से गांव लक्ष्मनपुर निवासी अमर सिंह पुत्र हरद्वारी की हीरो डीलक्स बाइक चोरी हो गई। अमर सिंह बाइक को सब्जी बाजार के बाहर सड़क किनारे दुकानों के सामने खड़ी कर सब्जी खरीदने चले गए थे। लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि मामले की कोई लिखित सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

विशेष योग में कल मनाया जाएगा वसंत पंचमी पर्व

परिघ, शिव और चतुर्ग्रही योग में होगी मां सरस्वती की पूजा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पूरे दिन रहेगा पूजा का अवसर, विवाह और शुभ कार्यों के लिए भी विशेष दिन

अमृत विचार: वसंत पंचमी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस वर्ष 23 जनवरी, शुक्रवार को वसंत पंचमी विशेष योग में मनाई जाएगी। इस दिन परिघ और शिव योग के साथ पंचमी तिथि में चतुर्ग्रही योग का संयोग बन रहा है, जिसे अत्यंत शुभ माना जा रहा है। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन भगवान शिव का तिलक हुआ था और शिवरात्रि को विवाह संपन्न हुआ था।

डॉ. कान्हा कृष्ण शुक्ल।

पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि का प्रारंभ 22 जनवरी की रात्रि 01 बजकर 17 मिनट से होगा, जो 23 जनवरी की रात्रि 12 बजकर 08 मिनट तक रहेगी। उदय तिथि के अनुसार वसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन मां सरस्वती की पूजा के लिए पूरे दिन का समय उपलब्ध रहेगा। वसंत पंचमी के दिन मकर राशि में सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र ग्रह विराजमान रहेंगे। पंचमी तिथि के साथ इन चार ग्रहों का संयोग चतुर्ग्रही योग का निर्माण कर रहा है, जिसे विद्या, बुद्धि और शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। मां सरस्वती की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 15 मिनट से दोपहर 12 बजकर 34 मिनट तक रहेगा। विशेष रूप से शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए पूजा का उत्तम समय सुबह 6 बजकर 36 मिनट से 10 बजकर 40 मिनट तक बताया गया है। इस अवधि में पूजा करने से विद्या और कौशल में वृद्धि मानी जाती है। वसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त भी माना जाता है। इस कारण अनेक स्थानों पर विवाह कार्यक्रम संपन्न होते हैं। हालांकि पंचांग के अनुसार इस वर्ष शुक्र अस्त होने के कारण विधिवत मुहूर्त का अभाव है, फिर भी अबूझ मुहूर्त होने से विवाह संपन्न किए जाएंगे। ऐसे में सूर्य बल, चंद्र बल और गुरु बल की स्थिति अवश्य देखनी चाहिए।

श्री रुद्र बाला जी धाम के पं. डॉ. कान्हा कृष्ण शुक्ल ने बताया कि सृष्टि की प्रारंभिक अवस्था में संसार नीरस और मौन था। तब भगवान ब्रह्मा के आह्वान पर मां सरस्वती प्रकट हुईं और वीणा के मधुर स्वर से संसार को वाणी और ध्वनि प्राप्त हुई। तभी से बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा का विधान चला आ रहा है। वसंत पंचमी के दिन सगाई, विवाह, गृह प्रवेश, नया कारोबार शुरू करना, वाहन, वस्त्र, आभूषण, पुस्तक, वाद्य यंत्र खरीदना, नए कोर्स में प्रवेश, निवेश और शिक्षा या संगीत से जुड़े कार्य शुभ माने जाते हैं। माता-पिता इस दिन बच्चों की शिक्षा की शुरुआत भी कर सकते हैं। इस दिन पेन, कॉपी और पुस्तकों की पूजा का विशेष महत्व है। मां सरस्वती की प्रतिमा या चित्र के सामने अध्ययन सामग्री रखकर पूजा करने से विद्या और बुद्धि का वरदान मिलने की मान्यता है। स्नान के बाद ही भोजन करना, पीले वस्त्र धारण करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना और पेड़-पौधे न काटने की सलाह दी जाती है।

घर के बाहर खड़ी बच्ची पर सियार ने किया हमला

पीलीभीत, अमृत विचार: घर से बाहर खड़ी चार साल की बच्ची पर सियार ने हमला कर दिया। घबराई बच्ची ने चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। चीखने की आवाज सुनकर परिजन घर के बाहर निकले, मगर तक सियार ने बच्ची को बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। हमले में बच्ची के चेहरे में गहरे घाव हो गए। जहानाबाद क्षेत्र के गांव सुस्वार निवासी बबलू की चार वर्षीय पुत्री रशिमी दोपहर को घर के बाहर खड़ी थी। घर के सामने खेत है। पिता बबलू के मुताबिक खेतों से आए सियार ने पुत्री पर हमला कर दिया। घबराई रशिमी ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। बच्ची की चीखने की आवाज सुनकर परिजन भी शोर-शराबा करते हुए घर से बाहर भागे। बताते हैं कि लोगों को आता देख सियार भाग निकला। हमले में बच्ची बुरी तरह लहूलुहान हो गई। हमले में बच्ची के चेहरे पर गहरे घाव हो गए। हमले की जानकारी पर गांव में हड़कंप मच गया।

घायल बच्ची को लेकर परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां बच्ची को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। क्षेत्रीय वन दरोगा ने बताया कि घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यदि ऐसा है तो गांव जाकर स्थिति देखी जाएगी।

कुल के साथ उर्स-ए-कलीमी का समापन

खानकाह-ए-कलीमिया में कुल की महफिल के बाद कव्वाली सुनते सज्जादानशीन। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरानपुर कटरा

- सज्जादानशीन ने की मुल्क की खुशहाली की दुआ

अमृत विचार : नगर की प्रमुख खानकाह-ए-कलीमिया में कुल की महफ़िल के साथ पांव रोजा उर्स-ए-कलीमी का समापन हो गया। सज्जादानशीन ने मुल्क की खुशहाली के लिए दुआ की।

बुधवार को बाद नमाज़-ए-फज्र कुरआन ख्वानी की नूरानी महफ़िल हुई। खानकाह के सज्जादानशीन सैय्यद आदिल महमूद कलीमी की सरपरस्ती में कुल शरीफ का आगाज तिलावत-ए-कुरआन से हुआ। सज्जादानशीन सैय्यद आदिल महमूद ने दूर दराज से आए जायरीन को उर्स की मुबारकबाद देते हुए मुल्क व कौम की खुशहाली के लिए दुआ की। इसके बाद में कव्वालों ने सूफियाना कलाम पेश किया। कव्वाली के बाद खानदान-ए-चिश्त का शिजरा पेश किया गया। महफ़िल में दरगाह के प्रवक्ता सैय्यद सरवर महमूद कलीमी उर्फ एहशाम मिया, सैय्यद शकैब मियां चिश्ती, अल्लामा शेख अब्दुल ग़नी मोहम्मद अतीफ़ मियां क़ादरी, मौलाना फ़जले रसूल मोहम्मद अज्जाम मियाँ क़ादरी, सैय्यद नवाज़ अख्तर चिश्ती, सैय्यद मंजर चिश्ती, सैय्यद मुजफ्फर चिश्ती, सैय्यद गजाली चिश्ती फफूंद शरीफ, शाह यूसुफ अहमद अहमदी रुदौली शरीफ, पूर्व विधायक राजेश यादव, हाजी सगीर खान आदि उपस्थित रहे।

शुरू हो गई जायरीन की रवानगी

मीरानपुर कटरा में पांच दिवसीय सालाना उर्स में शिरकत के बाद पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों से आए जायरीन ने सज्जादानशीन से इजाजत लेकर अपने घरों को वापस होना शुरू कर दिया। सालाना उर्स में कई राज्यों से हजारों की संख्या में जायरीन पहुंचते हैं। इनके खानपान व ठहरने का दरगाह प्रबंधन की ओर से इंतजाम किया जाता है। 17 जनवरी से उर्स-ए-कलीमिया के आगाज के साथ जायरीन की यहां आमद होने लगी थी। बसों व ट्रेनों से जायरीन सकुशल वापसी के लिए अपने पीर व सज्जादानशीन से अनुमति लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

घर में निकला रसेल वाइपर सांप, अफरा-तफरी मची

संवाददाता, निघासन

- वन विभाग ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

अमृत विचार: निघासन क्षेत्र के सिसैया क्रेशर के पास उस समय हड़कंप मच गया जब राम नरेश यादव के घर से अत्यंत विषैला रसेल वाइपर सांप निकल आया। घर के अंदर सांप दिखाई देते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग भी दहशत में आ गए।

घर में पकड़ा गया रसेल वाइपर सांप।

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे पकड़कर अदलाबाद के जंगल में छोड़ दिया। रेस्क्यू टीम में शामिल वन दरोगा शुभम और अक्षय मौर्या ने बताया कि रसेल वाइपर सांप को देश के सबसे खतरनाक और जहरीले सांपों में गिना जाता है। वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि इस क्षेत्र में दुधवा टाइगर रिजर्व से सटे इलाकों में वन्यजीवों और सरीसृपों की आवाजाही सामान्य है। ऐसे में सांप दिखने पर उसे मारने या पकड़ने का प्रयास न करें, बल्कि तुरंत वन विभाग या संबंधित विभाग को सूचना दें।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अखौली गांव में नामकरण संस्कार में दावत खाकर घर लौट रहे थे दोनों दोस्त
- मंगलवार देर रात बीसलपुर-बरेली मार्ग पर हुआ हादसा

अमृत विचार : दावत से लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को मंगलवार देर रात बीसलपुर-बरेली मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया। युवक की मौत के बाद परिवार का रो रोकर बुरा हाल है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौसरा निवासी जितेंद्र (31) पुत्र रघुवीर मंगलवार को थाना क्षेत्र के अखौली गांव में नामकरण संस्कार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। उनके साथ उनका दोस्त लवी (30) पुत्र राकेश गंगवार भी साथ में गया था। दोनों कार्यक्रम में शामिल होने के बाद देर रात बाइक से वापस लौट रहे थे। तभी बीसलपुर-बरेली मार्ग पर इंटर कॉलेज के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर नीचे गिर पड़े। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी भिजवाया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल लवी की हालत गंभीर होने पर उसको प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि घायल जितेंद्र का इलाज चल रहा है। जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी और दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर संजीव शुक्ला ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बेकाबू ट्रक की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या हुई तीन

पीलीभीत, अमृत विचार : आठ दिन पहले हुए सड़क हादसे में एक और युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल महुआ गुंदे गांव निवासी मिशन बाजपेई ने मंगलवार देर शाम बरेली के भोजीपुरा अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मामला 14 जनवरी को सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गढ़वाखेड़ा का है। जहां सड़क किनारे गोलगप्पे की दुकान के पास कुछ लोग चाट खा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि इसी क्षेत्र के जोगराजपुर निवासी मोहम्मद बक्स और उनके छोटे भाई मोहम्मद अजीम पुत्र इमाम की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो सगे भाइयों की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। इनके अलावा मिशन वाजपेई, मोहम्मद बख्श, चंद्रशेखर, जिलानी, अयान आदि घायल हो गए थे। इनमें मिशन वाजपेयी की हालत सबसे ज्यादा गंभीर थी। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बरेली के भोजीपुरा अस्पताल रेफर किया गया, जहां वह बीते कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे। आखिरकार मंगलवार देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। जवान बेटे की असमय मौत से परिजन बेसुध हैं। गांव में शोक का माहौल है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। बुधवार को युवक का अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस और सख्त कदम उठाने की मांग की है। इस मामले में पुलिस ने हादसे में सड़क किनारे खड़ी तीन मोटरसाइकिल और ट्रक को कब्जे में ले रखा है।

- सेहरामऊ क्षेत्र में गोलगप्पे खा रहे लोगों को मारी थी टक्कर

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

घरों में लगवाए वाईफाई बैट्रियों का पता नहीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- भदारा के ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत

अमृत विचार: मामला बीसलपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत भदारा से जुड़े गांव भदारी है।

गांव निवासी रामचंद्र, महेंद्र पाल, पातीराम आदि ने एसडीएम नागेंद्र पांडेय को शिकायत पत्र सौंपकर आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत से जुड़े भदारा से जुड़े कम आबादी वाले गांव भदारी में ग्राम प्रधान विकास संबंधी योजनाओं और कार्यों के निष्पादन में निरंतर उपेक्षा और अनदेखी कर रहे हैं। भदारा में रहने के कारण प्रधान समीकरण के कारण सभी कार्य भदारा में ही करवा रहे हैं। आरोप है कि ग्राम पंचायत को मिले 04 वाईफाई में से एक वाईफाई प्राइमरी स्कूल भदारा में जबकि अन्य वाईफाई तीन ग्रामीणों में घरों में लगवा दिए गए। चार साल पहले 15 बड़ी बैट्रियां यह कहकर उतरवा दी गई आज तक बैट्रियों का अता पता नहीं है। ग्रामीणों ने प्रधान पर कठिना नदी के किनारे अवैध खनन कराने का भी आरोप लगाया। भदारी का सामुदायिक शौचालय भी दुर्दशा का शिकार है। आरोप है कि अधिकांश विकास कार्य भदारा गांव में ही कराए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जांच कराने की मांग की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने जांच करने के निर्देश दिए हैं।

एक ही रात में चार घरों में लाखों की चोरी

संवाददाता, ममरी

- हैदराबाद क्षेत्र की घटना, पुलिस ने मुआयना कर शुरू की जांचे

अमृत विचार: बीती रात थाना हैदराबाद क्षेत्र के छतौनियां गांव में चोरों ने चार घरों को निशाना बनाया। दो घरों में चोरी करने में असफल रहे तथा दो घरों में लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ले गए। पीड़ितों ने थाना पुलिस को तहरीर दी है।

थाना क्षेत्र के गांव छितौनियां में बीती रात चोरों ने हेमनाथ वर्मा के घर में घुसकर उनकी दोनों बहुओं सीमा और अनीता के शादी के जेवर, उनके पुत्र दिनेश वर्मा और देवेंद्र वर्मा की सोने की छह अंगूठियां, सोने की चार चेन तथा दिनेश वर्मा की पुत्री शुभी की सोने की चेन, मांग टीका, झाला, पायल, कमर बिछुआ, दो जोड़ी कंगन, कुण्डल तथा पुत्र विकास की सोने की कमरपेटी, गले की माला और घर पर रखी तीन हजार रुपये नकदी उठा ले गए। साथ ही गांव के ही जहीर अंसारी के घर में घुसकर उनके पुत्र शफीक अंसारी, कफील अंसारी एवं रकीब अंसारी के शादी के सोने व चांदी के जेवर और तीन हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरों ने गांव के दुर्गेश वर्मा व अच्छे लाल के घरों में भी चोरी करने का प्रयास किया लेकिन उन लोगों के जाग जाने से चोरी करने में असफल रहे। सुबह जानकारी होने पर चोरी की घटनाओं की सूचना हैदराबाद पुलिस को दी गई। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट तो नहीं दर्ज की लेकन छितौनिया पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। चोरी की इन घटनाओं से गांव वालों में दहशत का माहौल बना है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो रहे हैं।

प्राथमिक विद्यालय से हजारों की चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पंडितपुरवा-2 का चोरों ने ताला तोड़ दिया और विद्यालय के कार्यालय से उपस्थिति पंजिका समेत रसोई व विद्युत संबंधी सामान ले गए।प्रधानध्यापक अरुण कुमार कनौजिया ने बताया कि चोरों ने विद्यालय कार्यालय का ताला तोड़कर चोरी की है। जब विद्यालय खोला गया तो कार्यालय से कई सामान गायब मिले। सामग्री का मिलान करने पर चोरी गए सामान में एक उपस्थिति पंजिका, लगभग 40 थालियां, दो चाकू, एक स्टील टंकी, एक परात, एक एल्युमिनियम भगोना, पुरानी भट्टी, दो बोरी राशन, एक ब्लूटूथ स्पीकर, टैबलेट का चार्जर, 1.5 एमएम का लगभग 20 मीटर तार तथा 100 वॉट की गोल्डी ग्रीन सोलर प्लेट शामिल हैं।प्रधानाध्यापक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर से इनवर्टर-बैट्री चोरी

मैगलगंज, अमृत विचार : एनएच-30 हाईवे किनारे स्थित गांव रहजनिया में बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर को मंगलवार की रात चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने केंद्र का ताला तोड़कर अंदर रखा इनवर्टर व बैट्री चोरी कर ली। केंद्र प्रभारी नेहा पांडेय ने बताया कि रात के समय चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर इनवर्टर और बैट्री उठा ली। इतना ही नहीं, चोरों ने पूरे कमरे में तेजाब भी फैला दिया, जिससे केंद्र में भारी नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर हल्का दरोगा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। केंद्र प्रभारी ने बताया कि इस तरह की घटना से कर्मचारियों के मन में डर बना हुआ है और केंद्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

लूट में शामिल चार बदमाश गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना खीरी पुलिस ने लूट, चोरी और जान से मारने की नीयत से फायरिंग जैसी संगीन घटनाओं में शामिल रहे चार शातिर अपराधियों तो गिरफ्तार किया है, जिनके पास से नकदी, जेवर, तमंचे और घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों का चालान भेजा है।

एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों में पंकज निवासी बेलवा डिंगरा थाना लहरपुर जिला सीतापुर, सुरेंद्र कुमार उर्फ कल्लू निवासी मंझरा गौढी थाना शारदानगर, सरवन निवासी लोनियनपुरवा मजरा अशोगापुर थाना खीरी और भानू सिंह निवासी चाऊपुर पड़री थाना खीरी शामिल हैं। पुलिस ने

थाना खीरी पर मौजूद गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

- असलहे, नकदी, जेवरात व वारदात में प्रयुक्त कार बरामद

आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, चांदी की दो पायल, एक चांदी का सिक्का, 8,400 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त डिजायर कार बरामद की है। बरामद वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी थाना खीरी में दर्ज लूट, फायरिंग और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल थे, जिनकी पुलिस तलाश कर रही थी। आरोपियों के विरुद्ध पहले से भी कई आपराधिक संगीन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का चालान भेजा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसआई गौरव कुमार, राहुल कुमार, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार शर्मा, कांस्टेबल सुधीर कुमार, आशीष यादव व गंगादीन शामिल रहे।

अवैध कोडीन युक्त सिरप को लेकर मेडिकल स्टोरों पर कसेगा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नकली सिरप बनाने वाले ने पूछताछ में बताए कई अन्य नाम

अमृत विचार : जिले में कोडीन युक्त सिरप के अवैध धंधे को लेकर प्रशासन अब एक्शन मोड में है। दो दिन पहले घुंघचाई पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए नकली सिरप बनाने वाले आरोपी से पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि यह धंधा एक-दो लोगों तक सीमित नहीं था। अब इन खुलासों के बाद मेडिकल स्टोरों की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है और जल्द ही जिले भर में जांच और कार्रवाई शुरु कर दी गई है। औषधि विभाग ने कार्रवाई को लेकर रणनीति बनाई है।

घुंघचिहाई पुलिस ने मंगलवार को कोडीन युक्त सिरप बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया था। इस काले धंधे में शामिल पूरनपुर क्षेत्र के गांव लाहा निवासी आरोपी सुरेश कुमार को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 340 बोतल टोपेक्स गोल्ड और 35 बोतल कोरेक्स-टी समेत सिरप की कुल 375 शीशियां बरामद की थी। साथ ही कफ सिरप बनाने से संबंधित सामग्री, पांच पैकेट में 488 नई खाली शीशियां (बिना ढक्कन),110 रैपर, 1939 ढक्कन, 03 स्प्रिट से भरी शीशियां, ऑरेंज फ्लेवर नंबर-एक, छोटा गैस सिलिंडर और बाइक बरामद हुई थी।

पूछताछ में सामने आया कि वह नशा करने वाले युवकों के अलावा साई मेडिकल स्टोर, गिरिराज मेडिकल स्टोर, उमापति मंडल समेत कई नाम प्रकाश में आए थे। जहां सप्लाई की जा रही थी। इतना ही नहीं इस आरोपी के तार शाहजहांपुर जिले तक जुड़े हुए हैं, हैरानी की बात है कि जिले में यह धंधा चलता रहा मगर औषधि विभाग को भनक तक नहीं लगी। इतना ही नहीं जिन मेडिकल के नाम प्रकाश में आए हैं। वहां भी औषधि विभाग पहले कार्रवाई कर चुका है।

पुलिस कार्रवाई के बाद अब औषधि विभाग ने इन मेडिकल स्टोरों के अलावा अन्य मेडिकल स्टोरों पर छापेमार कार्रवाई शुरू की है। खुलासा होने के औषधि विभाग ने गिरिराज मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। जिसका जिक्र आरोपी सुरेश ने किया था। मगर टीम को वहां कुछ नहीं मिला। इसके अलावा अन्य स्टोरों पर कार्रवाई की गई है। इधर, पुलिस भी इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य ने बताया कि मेडिकल स्टोरों पर छापा मारा है।

न्यूज ब्रीफ

भूदेवी इंटर कॉलेज में 24 को होगी प्रयोगात्मक परीक्षा

बिल्सी, अमृत विचार : स्थानीय भूदेवी वार्ष्णेय इंटर कॉलेज में कक्षा 10 एवं 12 के छात्र-छात्राओं की शारीरिक शिक्षा विषय की प्रयोगात्मक लिखित बोर्ड परीक्षा 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रातः 10 बजे से कॉलेज परिसर में संपन्न होगी। कॉलेज प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा विषय शिक्षक एवं अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से कराई जाएगी।

एक निरीक्षक समेत 42 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले

बदायूं, अमृत विचार : कानून व सुरक्षा व्यवस्था और दुरुस्त करने के लिए एसएसपी ने एक निरीक्षक, तीन उप निरीक्षक समेत 42 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। वीआईपी सेल प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार यादव को अपराध शाखा भेजा गया है। दानपुर चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक सुरेश पाल सिंह को थाना फैजगंज बेहटा, पुलिस लाइन के कृष्ण पाल सिंह को थाना बिनावर, धर्मवीर सिंह को थाना उसावां भेजा गया है। 38 सिपाहियों को इधर-उधर किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में दिए योगदान पर प्रधानाचार्य को सम्मानित किया

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली क्षेत्र के शरह बरौलिया स्थित सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार यादव को सम्मानित किया गया। सिद्ध बाबा कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के उप प्रबंधक पंडित श्याम पाल पाठक ने शॉल ओढ़ाई और स्मृति चिह्न दिया। सभी ने उनकी प्रशासनिक दक्षता, शिक्षा क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए सुधार और शैक्षिक गुणवत्ता की प्रशंसा की। शिक्षक नीरज चौहान, विपलव भारती, प्रेम प्रकाश शर्मा, शिशु मंदिर शरह बरौलिया के प्रधानाचार्य संजय उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में कैसे हो गंभीर रोगों का इलाज, डॉक्टर ही नहीं

राजकीय मेडिकल कॉलेज में स्वीकृत 109 में आधे से भी कम 48 चिकित्सक ही तैनात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- गंभीर बीमारियों हृदय, कैंसर, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट का पद भी खाली
- सरकार ने सुविधाएं तो खूब दी हैं, चिकित्सकों की कमी से मरीजों को रहो दिक्कतें

राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं।

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कालेज में कई तरह के नए कार्य कराए जा रहे हैं लेकिन डॉक्टरों की कमी दूर नहीं की जा रही है। जिससे गंभीर बीमारियों के मरीजों को दूसरे जिलों को रेफर करना पड़ रहा है। शासन द्वारा स्वीकृत डॉक्टरों के पचास प्रतिशत से अधिक पद खाली हैं जिससे राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉक्टरों की कमी के संकट से जूझ रहा है।

राजकीय मेडिकल कालेज में जनपद व दूसरे जिलों से मरीज रेफर होकर आते हैं। यहां पर सरकार द्वारा तमाम तरह के संसाधन मुहैया करा देने का दावा किया जा रहा है। कई नए प्लांट भी लगाए गए हैं। लेकिन यहां पर गंभीर बीमारियों के डॉक्टर और टेक्नीशियन नहीं हैं। जिससे हृदय रोग, बाल रोग, कैंसर की बीमारी के डॉक्टर, रेडियोलॉजिस्ट नहीं हैं। डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे राजकीय मेडिकल कालेज प्रशासन की ओर से शासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है अगर डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं जिससे गंभीर बीमारियों के मरीजों को यहां भर्ती करने के बजाय दिल्ली और लखनऊ को रेफर कर दिया जाता है। डॉक्टरों की कमी के साथ ही अन्य कई समस्याएं हैं जिससे कालेज प्रशासन को बार बार सफाई देनी पड़ती है।

राजकीय मेडिकल कालेज के कई प्रखंड अधूरे हैं जिनका निर्माण दस साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राओं को यहां पर हॉस्टल की व्यवस्था नहीं है। कॉलेज परिसर में एक बिल्डिंग को छात्रावास के रूप में निर्मित किया गया लेकिन वह भी अधूरा है। जिससे छात्र छात्राओं को परेशानी होती है। राजकीय मेडिकल कालेज प्रशासन ने अव्यवस्थाओं को लेकर शासन को पत्र लिखे मगर नतीजा शून्य रहा।

पचास प्रतिशत कम हैं बेड

राजकीय मेडिकल कालेज को 430 बेड चाहिए। लेकिन यहां पर पचास प्रतिशत बेड नहीं हैं। जो वार्ड तैयार किए गए हैं उनकी खस्ता हालत हो रही है। रंगाई पुताई और मरम्मत न होने से सभी वार्ड गंदगी से भरे पड़े हैं। जगह जगह बिजली के टूटे तार लटक रहे हैं। जिनसे मरीजों व डाक्टर स्टाफ को भी खतरा बना रहता है। तारों की फिटिंग के लिए शासन से पैसा नहीं मिल रहा है जिससे स्थिति दिन पर दिन बदतर होती जा रही है। कॉलेज प्रशासन समस्याओं को लेकर परेशान है।

> राजकीय मेडिकल कालेज में अधूरे प्रखंडों को पूरा कराने को शासन को दो बार पत्र लिखे जा चुके हैं। डॉक्टरों की मांग की गयी है। संविदा पर डॉक्टर आने को तैयार नहीं हैं। शासन स्तर से रिक्तियां भरने को कई बार विज्ञप्ति निकाली जा चुकी है। यहां डॉक्टर आने को तैयार नहीं हैं। पिछले साल बरेली के एक डाक्टर को यहां भेजा गया था। वह लौट कर नहीं आए। इसलिए डॉक्टरों की कमी है। **डा. अरुण कुमार** - प्राचार्य

अब तक साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों को दी खुराक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बच्चे को विटामिन ए की खुराक देती महिला ● अमृत विचार

- बाल स्वास्थ्य पोषण माह के तहत बच्चों को दी जा रही खुराक
- बिल्सी ब्लॉक क्षेत्र में चला अभियान, 27 तक रहेगा जारी

अमृत विचार : शासन के निर्देश पर 27 दिसम्बर से शुरू किया गया बाल स्वास्थ्य पोषण माह के तहत अब तक जनपद में तीन लाख 62 हजार बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जा चुकी है। जबकि लक्ष्य चार लाख 97 हजार का मिला है। दवा पिलाने का अभियान 27 जनवरी तक चलेगा।

शासन के निर्देश पर हर साल बाल स्वास्थ्य पोषण माह मनाया जाता है ।एक महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम में पांच साल तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा दी जाती है जिससे बच्चा किसी रोग का शिकार न हो। मुख्य रूप से कुपोषण से बच्चे को बचाया जा सके। बाल स्वास्थ्य पोषण माह 27 दिसम्बर को सीएमओ द्वारा शुरू किया गया था। बाल स्वास्थ्य पोषण माह के तहत जनपद में चार लाख 97 हजार बच्चों को विटामिन ए की खुराक देनी है। अब तक तीन लाख 62 हजार बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जा चुकी है। अभियान के पहले दिन बूथ पर ही दवा दी गयी उसके बाद घर घर जाकर स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को दवा दी। स्कूलों में बाजारों में, खेल मैदानों में पांच साल तक के बच्चों को दवा दी गयी।

बाल स्वास्थ्य पोषण माह कार्यक्रम के नोडल डा. मोहम्मद असलम ने बुधवार को बताया कि बुधवार और शनिवार को ही बच्चों को दवा दी जाती है। यह दो दिन टीकाकरण के हैं। इन्ही दिनों में अभियान के तहत खुराक दी जाती है। अभी इस माह में छह दिन शेष हैं। शासन द्वारा दिया गया लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पांच साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक देने से उनका भविष्य निरोग रहता है। साल में दो बार यह अभियान चलाया जाता है। अभियान पूरा होने पर शासन को रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

बीएलओ से अभद्रता, नियम विरुद्ध काम करने का दबाव

संवाददाता, ओरछी

- वोटर लिस्ट में बदलाव को दबाव बनाने का आरोप, तहसीलदार बोले- दर्ज होगी एफआईआर

अमृत विचार : फैजगंज बेहटा में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के दौरान अफरा-तफरी मच गई। कुछ दबंगों ने ड्यूटी पर तैनात बीएलओ के साथ अभद्रता करते हुए सरकारी कार्य रोक दिया। आरोप है कि बीएलओ पर वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जोड़ने और शैक्षिक योग्यता बढ़ाने का दबाव बनाया गया। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की और हमले का प्रयास किया। तहसीलदार ने थानाध्यक्ष को रिपोर्ट दर्ज करने को निर्देशित किया है।नगर पंचायत फैजगंज बेहटा के वार्ड 8 में बीएलओ चंद्रपाल क्षेत्र में नोटिस वितरण का कार्य कर रहे थे। आरोप है कि कस्बा निवासी आसिफ खान पुत्र शौकत खां और उसके साथियों ने उन्हें रोक लिया। बीएलओ के अनुसार आरोपियों ने नोटिस लेने के बाद उन पर इस बात का दबाव बनाया कि वह ऑनलाइन वोटर लिस्ट में उनके मनचाहे बदलाव करें। शैक्षिक अंकों में हेरफेर करें। बीएलओ ने नियमों का हवाला देते हुए गलत प्रविष्टि करने से इंकार कर दिया। आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की। शोर सुनकर भीड़ जमा हो गई। बीएलओ ने सरकारी कार्य में बाधा डालने की तहरीर दी। बताया कि ड्यूटी के दौरान इस तरह से हमलों से कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है।

> शासकीय कार्य में बाधा डालना और कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार करना गंभीर है। सुपरवाइजर और बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर थानाध्यक्ष को रिपोर्ट दर्ज करने को निर्देशित किया है। - **विजय कुमार शुक्ला**, तहसीलदार

नई बसाई जा रही कॉलोनी के नाला निर्माण में हो रहा गोलमाल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

निर्माण का निरीक्षण करता कर्मचारी।

नाला निर्माण के लिए कार्यस्थल पर रखी पीला ईंटें। ● अमृत विचार

पीला ईंट से तैयार नाला।

शिकायत पर कोई असर नहीं हुआ

ठेकेदार द्वारा नाले और नाली निर्माण बरती जा रही अनियमितताओं पर विभागीय कर्मचारियों ने कई बार आपत्ति भी जताई, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकाला। बीते सोमवार को निरीक्षण के दौरान परिषद के कर्मचारी ने नाला निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किए जाने पर आपत्ति ठेकेदार के लोगों से जताई थी। लेकिन उनकी एक न सुनी गई। इसके बाद कर्मचारी ने आवास विकास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता को ठेकेदार की मनमानी से अवगत कराया। कर्मचारी द्वारा दी गई सूचना पर भी परिषद के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण नहीं किया। ऐसे में कालोनी बसने के बाद उपयोग होने पर नाले और नालियां कुछ ही माह में धराशायी हो जाएंगी। ऐसा होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

> जानकारी मिली है। जल्द ही फेस टू में हो रहे निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। अगर ठेकेदार द्वारा मानक के विपरीत कार्य किया हो तो उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। **राजेंद्र नाथ**, अधिशासी अभियंता, आवास विकास परिषद, बरेली

अमृत विचार: आवास विकास परिषद द्वारा फेस टू कॉलोनी बसाई जा रही है। जिसमें मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए नाला, नाली और सड़कों का निर्माण हो रहा है। नाला और नाली निर्माण में अनियमितताएं बरतने का आरोप लग रहा है। परिषद में किसी अधिकारी की तैनाती न होने के कारण ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं। जिस फर्म को ठेका दिया गया है उसके द्वारा नाला और नाली निर्माण में पीला ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। पानी निकासी के लिए न ढलान दिया जा रहा है। और न ही मानक के अनुरूप बेस बनाया जा रहा है। नीचे ईंटे बिछाकर रेता, बदरपुर में दिखावे के लिए सीमेंट मिलाकर बेस तैयार बन रहा है। जबकि आरसीसी का बेस बनना चाहिए।

आवास विकास परिषद द्वारा 88 एकड़ भूमि पर फेस टू कॉलोनी बसाई जा रही है। लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया हो सकें इसके लिए तीन स्तर पर निर्माण कार्य हो रहा है। सड़क निर्माण के साथ पार्क बनाए जा रहे हैं। साथ ही पानी की निकासी के लिए नाला और नालियां बनाई जा रही हैं। नाला और नालियों का निर्माण दो करोड़ की लागत से रहा है। यह कार्य मैनपुरी की फर्म मुकेश चंद्र यादव के द्वारा किया जा रहा है। आवास विकास परिषद में न सहायक अभियंता और न ही अवर अभियंता की तैनाती है। बरेली कार्यालय के अधिकारियों को बदायूं आवास विकास परिषद का प्रभार दे रखा है। यह अधिकारी निर्धारित दिनों में आकर निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। जिसका लाभ नाला और नाली निर्माण का कार्य कर रहे ठेकेदार द्वारा उठाया जा रहा है। मानक को ताक में रखकर निर्माण कार्य हो रहा है।

- अधिकारी विहीन विभाग होने की वजह से ठेकेदारों की मनमानी
- नियमों की अनदेखी, आरसीसी बेस के स्थान पर लगाई जा रही पीला ईंटें

बिना हेलमेट दिया पेट्रोल तो पंपों पर भी होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

नो हेलमेट-नो फ्यूल संबंधी बैठक में मौजूद विभागों के अधिकारी व कर्मचारी। ● अमृत विचार

- कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई हेलमेट नहीं तो पेट्रोल भी नहीं संबंधित बैठक

अमृत विचार : सड़क हादसों को रोकने या कम करने के लिए शासन हर तरह का जतन कर रहा है। परिवहन विभाग और यातायात महकमा अभियान चलाकर जागरूक कर रहा है। कुछ समय पहले पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया गया था कि वह बिना हेलमेट आए बाइक सवारों को पेट्रोल नहीं देंगे। जिसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। अब नो हेलमेट-नो फ्यूल विषय पर दोबारा बैठक हुई। एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने निर्देश देते हुए कहा है कि अगर बाइक सवार के पास हेलमेट न होने पर भी पेट्रोल दिया तो संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में नो हेलमेट, नो फ्यूल विषय पर पेट्रोल पंप मालिक व प्रबंधकों के साथ बैठक हुई। एडीएम ने कहा कि पेट्रोल पंप पर कर्मचारी किसी भी कारण या दबाव में नहीं आएंगे। वह बिना हेलमेट के आए लोगों के वाहन में पेट्रोल नहीं डालेंगे। सभी पेट्रोल पंप पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अगर किसी भी पंप पर सीसीटीवी कैमरे में कर्मचारी बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल डालते नजर आए तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पंप पर सफाई कर्मचारियों की सूची में नाम, मोबाइल नंबर लिखें। एआरटीओ प्रशासन व प्रवर्तन हरिओम ने बताया कि लोग हेलमेट निर्धारित मानक का ही खरीदें। भारत स्टैंडर्ड 4151 के मानकों को पूरा करने वाला हेलमेट सही है। पंप संचालकों से कहा कि वह अपने पंपों के अलावा आसपास नो हेलमेट-नो फ्यूल का बैनर व स्टीकर लगाएं। बैठक में परिवहन विभाग के साथ जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय, यातायात महकमा के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी के आरोपी को पकड़कर छोड़ा

विजय नगला, अमृत विचार : मकान की दीवार काटकर चोरों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। आरोप है कि पुलिस ने चोर को पकड़ा लेकिन आर्थिक समझौता करके छोड़ दिया। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव गुरपुरी चंदन निवासी मुजीबुल ने शिकायत में कहा है कि गांव में उनके पुराने मकान में मेंथा फैक्ट्री का सामान कांटा, कंप्यूटर, इनवर्टर, बैटरी, 1.1 कुंतल लोहे के बाट व अन्य सामान रखा था। वे नए घर में रहते हैं। 29 दिसंबर की रात चोरों ने दीवार काटकर सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने की बजाय उनसे ही चोर तलाशने की बात कही। उन्हें गुड्डू की दुकान पर अपना सामान दिखा। दुकानदार ने बताया कि अजमल ने सामान उन्हें बेचा है। मुजीबुल ने यह बात बिनावर पुलिस को बताई। पुलिस ने अजमल को पकड़ा और एक नेता के कहने पर साठगांठ कर छोड़ दिया।

बुजुर्ग पर हमला, पुत्रवधू समेत दो पर एफआईआर

संवाददाता, कुंवरगांव

- सिर पर किया वार, हाथों के अंगूठे काटे, एक अंगूठा हुआ अलग

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव इमलिया में घर में सो रहे बुजुर्ग पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया। हमलावर ने बुजुर्ग के सिर पर पत्थर से प्रहार किया। दोनों हाथ के अंगूठे काट दिए। घायल को अलीगढ़ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बुजुर्ग की बहन की तहरीर पर पुत्रवधू व उसके दोस्त पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गांव इमलिया निवासी मेहताब (70) पुत्र तोताराम की बहन नेकसो उनके पास रहती हैं। बेटा मानसिक मंदित है। उसने रफियाबाद की महिला से शादी की थी। वे मंगलवार रात घर में सो रहे थे। इसी दौरान किसी ने उन पर हमला कर दिया। हमलावर ने उनके हाथों के अंगूठे काट दिए। एक अंगूठा कटकर जमीन पर गिर गया जबकि दूसरा अंगूठा खाल से जुड़ा रहा। चीख सुनकर भीड़ जमा हो गई। डायल 112 पुलिस पहुंची। थानाध्यक्ष राकेश कौशिक गांव गए। घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ रेफर किया है। पुलिस ने गांव के दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग अपनी जमीन बेचना चाहते थे। वहीं परिवार की एक महिला के किसी से संबंध थे। पुलिस ने बुजुर्ग की पुत्रवधू जयंती और उसके दोस्त रोहित सागर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मृतकों के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त करेंगे सांसद

सांसद आदित्य यादव।

बदायूं, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी से सांसद आदित्य यादव 22 जनवरी का बदायूं पहुंचेंगे। वह उझानी के गांव कुड़ा नरसिंहपुर में मेंथा फैक्ट्री में मृत सुरक्षाकर्मियों के परिजनां से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। दोपहर 12 बजे बिल्सी विधानसभा क्षेत्र के गांव बसावनपुर में मृत जुगेंद्र यादव के घर, दोपहर 2 बजे शेखूपुर में गांव पसेई में विवेक यादव और 3 बजे दातागंज क्षेत्र के गांव मुड़सेना में मृतक वीरभान सिंह के परिजनों से मिलेंगे। इसके अलावा वह गांवों और कस्बों में जाकर लोगों से मुलाकात करेंगे। समस्याओं और सुझावों को सुनेंगे।

बाहर की दवाएं लिखने पर लगी रोक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- क्षय रोग विभाग में हंगामे के बाद उठाया गया कदम

अमृत विचार : जिला क्षय रोग केंद्र पर विवाद बढ़ने के बाद अब टीबी के मरीजों को बाहर की दवा लिखने पर रोक लगा दी गयी है। डॉक्टरों को निर्देशित किया गया है कि मरीजों के आग्रह पर भी बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। जिससे किसी तरह का फिर से विवाद उत्पन्न न हो।

जिला अस्पताल स्थित जिला क्षय रोग केंद्र पर प्रतिदिन सैकड़ों मरीज दवा लेने बलगम चेक कराने एक्सरे कराने पहुंचते हैं। डॉक्टर मरीजों को अस्पताल की ही दवा लिखते हैं जो अस्पताल की विंडो से मिलती है। पिछले दिनों एक मरीज ने जिला क्षय रोग केंद्र पर एक डॉक्टर से आग्रह करके बाहर की कुछ दवाएं लिखवा लीं। अस्पताल के बाहर एक मेडिकल स्टोर पर जब मरीज दवा लेने पहुंचा तो मेडिकल स्टोर मालिक ने उससे पूछताछ की और फिर हंगामा शुरू कर दिया। उक्त मेडिकल संचालक का आरोप था कि टीबी के डॉक्टर अपने चिन्हित मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने को मरीजों को भेजते हैं। इस बात को लेकर पहले तो क्षय रोग केंद्र पर हंगामा हुआ उसके बाद मामले की शिकायत सीएमओ से की गयी। जिसके बाद सीएमओ ने जब मामले की जांच कराई तो सच्चाई सामने आ गयी। जांच करने वाले ने उक्त मरीज को खोज कर जब उसका पक्ष जाना तो उसने कहा कि मैंने खुद बाहर की दवाएं लिखवाई थीं। जिसके बाद मामला रफा दफा कर दिया गया।

चार माह से नहीं आ रहा डीबीटी का पैसा

जिला क्षय रोग केंद्र से डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपए माह लेने वाले टीबी के मरीज पिछले चार महीने से परेशान हैं। डीबीटी का पैसा ऊपर से नहीं आ रहा है जिससे अब उनके खातों में नहीं भेजा जा सका है। अपने पैसे को लेकर प्रति दिन मरीज हंगामा करते हैं। जबकि जिला क्षय रोग अधिकारी का कहना है कि शासन से अभी पैसा नहीं मिला है जिससे डॉक्टरों कर्मचारियों का वेतन भी रुका हुआ है। मरीजों का पैसा भी नहीं आ रहा है। अ उम्मीद है मार्च से पहले ही उक्त धनराशि भेज दी जाए।

जिला क्षय रोग केंद्र के चिकित्सक ने बुधवार को बताया कि अब बाहर की दवाएं नहीं लिखी जाती हैं। मरीजों के कहने पर भी बाहर की दवाएं नहीं लिख रहें। जिला क्षय रोग प्रभारी डा. विनेश कुमार ने कहा कि पिछले दिनों एक मेडिकल संचालक ने बेवजह हंगामा कर दिया। जांच में सब साफ हो गया। उसके बाद से अब मरीजों के कहने पर भी बाहर की दवा नहीं लिखी जा रही हैं। जो दवाएं अस्पताल में हैं वहीं मरीजों को दी जा रहीं है। इस बात को लेकर टीबी सेंटर पर मरीज भड़क रहे हैं और जबरन बाहर की दवाएं लिखवाना चाहते हैं लेकिन अब बाहर की दवा नहीं लिखी जा रही है।

समस्या अधिकारियों की कमी की वजह से धरातल पर नहीं उतर पा रहीं सरकारी योजनाएं

बाहर के अधिकारी, जिले में कैसे दौड़े विकास की गाड़ी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- एक एक अधिकारी पर कई-कई विभागों का प्रभार, खाली पड़ी रहती हैं कुर्सियां
- दूसरे जनपद के अधिकारियों के सहारे भी चल रहे हैं कई विभाग

अमृत विचार: जनपद अधिकारियों की कमी से जूझ रहा है। गांव में विकास योजनाओं की धुरी माने जाने वाले कई अधिकारियों का अभाव है। कई विभाग उधार के अधिकारियों के सहारे विकास की गाड़ी खींच रहे हैं। लेकिन हकीकत यह कि कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। दिल्ली व लखनऊ से चलने वाली योजनाएं गरीबों के चौखट पर पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दे रही हैं। उधार के अधिकारियों के भरोसे विकास की गाड़ी कैसे चलेगी, यह सिस्टम पर सवाल खड़ा कर रहा है।

अधिकारियों की कमी सबसे अधिक विकास भवन स्थित विभागों में है। कई विभाग इससे प्रभावित हो रहे हैं। यहां पर मनरेगा उपायुक्त, जिला विकास अधिकारी, नेडा परियोजना निदेशक, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, आजीविका मिशन और जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ऐसे विभाग हैं, जो जिले के साथ गांव में विकास की धुरी माने जाते हैं। लेकिन यह विभाग लंबे समय से अधिकारियों की कमी के कारण जूझ रहे हैं। मनरेगा डीसी उपायुक्त का पद पिछले नौ माह से खाली पड़ा है। करीब एक साल से जिला विकास अधिकारी की कुर्सी खाली पड़ी है।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में पिछले तीन साल से किसी अधिकारी की तैनाती नहीं हुई है। ऐसा ही हाल दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग का है। यहां पर पिछले तीन साल से कोई अधिकारी नहीं आया है। हाल ही में आजीविका मिशन के पद पर कार्यरत बृजेंद्र शुक्ल की पदोन्नति होने के बाद उनका स्थानांतरण अन्य जनपद के लिए हो गया। लेकिन किसी अधिकारी की तैनाती नहीं की गई। अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारी लालमन का दो माह पूर्व स्थानांतरण दूसरे जनपद में होने के बाद से विभाग की कुर्सी खाली पड़ी है। जिले में अधिकारियों की कमी होने के कारण विकास का पहिया थम गया है।

अधिकारियों की गैर मौजूदगी से फरियादी लौट रहे मायूस

जिले में अधिकारियों का लंबे समय से टोटा है। विभागों में अधिकारियों की कुर्सियां खाली पड़ी हैं। देहात क्षेत्र से आने वाले फरियादियों को खाली कुर्सी देखकर निराशा हाथ लगती है। उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है। या फिर उच्चाधिकारियों की दौड़ लगानी पड़ती है। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाता।

एक अधिकारी पर कई-कई विभागों का कार्यभार

जिले में अधिकारियों के पद खाली होने की वजह से कार्यरत अधिकारियों पर कई कई विभागों का प्रभार है। परियोजना निदेशक चार-चार विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पर भी चार चार विभाग का प्रभार है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग पीलीभीत में कार्यरत अधिशासी अधिकारी के सहारे चल रहा है। कई कई विभागों का प्रभार होने की वजह से अधिकारी काम के बोझ से दबे नजर आ रहे हैं। अधिकारियों की कमी के कारण सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

> जिले में अधिकारियों की कमी है। अधिकारियों के पद भरने के लिए शासन स्तर पर पत्राचार किया गया है। अधिकारियों की तैनाती होते ही बहुत सी समस्याओं का स्वयं समाधान हो जाएगा। **अवनीश कुमार राय**, डीएम

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

बदायूं

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
11 जनवरी 2026, रविवार
25 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

मुड़ा पुखता पुल निर्माण के लिए सत्याग्रह शुरू करेंगे कांग्रेसी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मुड़ा पुख्ता पुल निर्माण को लेकर कांग्रेसियों ने सत्याग्रह करने का ऐलान किया है। 26 जनवरी को समरेर से पदयात्रा शुरू की जाएगी और 4 फरवरी से सत्याग्रह होगा। इसको लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने एसडीएम दातागंज धर्मेंद्र कुमार से बात की। एसडीएम ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने एसडीएम से अधूरे मुड़ा पुख्ता पुल का निर्माण शुरू कराने, छुट्टा पशुओं से फसलों की सुरक्षा करने, समरेर में मुड़ा गांव के पास गौशाला बनाने, भूमिहीनों को एक एकड़ भूमि का पट्टा देने, सभी पात्रों को राशन कार्ड देने, वृद्धा विधवा पेंशन, श्रमिकों का पंजीकरण कराकर योजना का लाभ दिलाए जाने, रीयल टाइम खतौनी में अंश निर्धारण सही करने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार 10 साल से मुड़ा पुख्ता पुल के दो पिलर नहीं बनवा सकी है। रामगंगा की बाढ़ में पुल का एप्रोच मार्ग कटने से समरेर, दातागंज के हजारों लोग फरीदपुर जाने के लिए परेशानी होते हैं। पुल निर्माण के लिए 26 जनवरी को पद यात्रा शुरू करेंगे। 4 फरवरी को पुल पर सत्याग्रह करेंगे।

दातागंज एसडीएम को समस्याओं के बारे में बताते कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव।

● विभिन्न समस्या को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने एसडीएम से की बात

कांग्रेस जिला सचिव गिरीश चंद्र ने कहा कि कांग्रेस दातागंज में जनता की आवाज उठाएगी। अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया जाएगा। दातागंज विधानसभा प्रभारी केपी सिंह, कुंवरपाल सिंह, वेद प्रकाश, विजय बहादुर, नवनीत यादव, विजय वीर, सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बालाजी भक्ति धाम पर रामचरितमानस का अखंड पाठ

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के तहसील रोड स्थित श्री बालाजी भक्ति धाम पर माघ माह के पावन अवसर पर नगर की श्री बालाजी भक्त मंडली की ओर से 24 घंटे के श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ भव्य एवं श्रद्धा मय वातावरण में आयोजित किया गया। आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूरे मनोयोग से धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की। अखंड पाठ के दौरान मंदिर परिसर भक्ति और जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने रामचरितमानस के पाठ किया। पंडित प्रदीप शर्मा ने हवन-यज्ञ संपन्न कराया, भक्तों ने आहुतियां देकर परिवार व नगर की सुख-समृद्धि की कामना की।

श्रृंगार की गयी बालाजी की मूर्ति।

देवपाल सिंह बने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

संदीप मिश्रा महासचिव पद पर जीते, माल्यार्पण से जोरदार स्वागत

अध्यक्ष पद पर विजेता देवपाल सिंह। ● अमृत विचार

अधिवक्ताओं के साथ महासचिव पद पर विजेता संदीप मिश्रा।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव बुधवार को कराया गया। अधिवक्ताओं ने सुबह 9 बजे से 4 बजे तक मतदान किया। 20 पदों के लिए 33 प्रत्याशी मैदान में थे। चुनाव अधिकारी ने शाम को विजेताओं की घोषणा की। देवपाल जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और संदीप मिश्रा महासचिव बने हैं। साथी अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण करके बधाई दी और स्वागत किया। बाकी विजेताओं की घोषणा गुरुवार को की जाएगी।

● बीस पदों के लिए 33 प्रत्याशी थे मैदान में, कई पदों पर अभी विजेताओं की घोषणा होना बाकी

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए गेंदन लाल बघेल, दिनेश चंद, देवपाल सिंह और देवेंद्र गुप्ता ने नामांकन दाखिल किया था। जिनमें देवपाल सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वहीं महासचिव पद पर संदीप मिश्रा ने अपने प्रतिद्वंद्वी कृष्ण गोपाल पाठक को हराया। बाकी के पद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रकाशन, संयुक्त सचिव पुस्तकालय, कोषाध्यक्ष, कनिष्ठ कार्यकारिणी के विजेताओं की घोषणा होगी।

अयोध्या राम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर किया हवन पूजन

मंदिर में हवन पूजन करते पुजारी ● अमृत विचार

संवाददाता, करियामई

अमृत विचार : प्राचीन हनुमान मंदिर श्री राम दरबार में अखंड रामायण कीर्तन पाठ का आयोजन शुरू हुआ। जो गुरुवार को संपन्न होगा।

हर वर्ष की भांति यह अखंड कीर्तन रामायण का पाठ अयोध्या में भगवान श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ग्रामीणों व मंदिर कमेटी के सहयोग से कराया जा रहा है। गुरुवार को रामायण पाठ संपन्न होने के बाद पूजन आरती कर प्रसाद वितरण होगा। इसमें राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, रामेश्वर मीणा, मनोज मिश्रा,उपेन्द्र मिश्रा, शिव शंकर शर्मा, देवरत्न मीणा, गोपाल पाराशरी,बनवारी लाल, भुवनेश मीना, अमित मीणा, रामकुमार मिश्रा, रामदेव मिश्रा, रवि ठाकुर सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फॉर्म 6 व 7 सत्यापन के बाद जमा कराएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक व कस्बा म्याऊं स्थित अंबेडकर पार्क में एस आई आर और मनरेगा चौपाल कांग्रेस द्वारा आयोजित की गई। ब्लॉक उसावा के ग्राम रसूलपुर में भी अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष शाह रजा द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम में कहा गया कि फार्म 6 और 7 का सत्यापन कराकर ही जमा कराएं।

जिला कांग्रेस के बीएलए 1,एस आई आर के कोऑर्डिनेटर ओंकार सिंह ने कहा कि गहन पुनरीक्षण में फॉर्म नंबर 6 और 7 के बगैर सत्यापन के जमा किये जा रहे हैं, इस संबंध में एक प्रार्थना पत्र आज जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया गया है उन्होंने कहा कि हमारे बूथ लेवल एजेंट शनिवार को बूथों पर जाकर चेक करें कि बिना सत्यापन के फॉर्म 6 और 7 जमा नहीं होने चाहिए। उपाध्यक्ष सुनीता सिंह ने कहा कि मनरेगा का जो प्रारूप बदला गया है उसको लेकर लोग विरोध प्रकट कर रहे हैं और मनरेगा का प्रारूप पहले जैसा बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता उपासना सिंह, प्रेम कुमार, शाह रजा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सोनपाल वर्मा ने कहा कि हम सभी को तत्परता के साथ मनरेगा का विरोध करना चाहिए और वोट गहन पुनरीक्षण में कोई गलती न रहे इसे भी देखें। इस मौके पर रामकुमार सिंह, प्रेमपाल सिंह, धनपाल सिंह, जाहिद अली मंसूर खान, जावेद, परवेज अहमद, साहब सिंह, राजपाल सिंह, नेत्रपाल सिंह, धनपाल सिंह ,मोहम्मद यूसुफ सफीक अहमद, आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

म्याऊ में चौपाल कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेसी ● अमृत विचार

भाषण प्रतियोगिता में सड़क हादसे रोकने पर रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय के एनएसएस की ओर से भाषण प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता हुई। प्राचार्य प्रो. सरला चक्रवर्ती ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है। छात्राओं से आह्वान किया वह खुद यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें। युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। भाषण प्रतियोगिता में अनुष्का पहले, विमेश दूसरे, रिया तीसरे स्थान पर रहीं। नुक्कड़ नाटक में टीम ए जीती। जिसकी लीडर स्नेहा रहीं। संचालन कार्यक्रम अधिकारी अवनीशा वर्मा ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा। ● अमृत विचार

सावधानी हटने से जान का हो सकता है नुकसान

ग्रामीण को यातायात नियमों का पालन करने को जागरूक करतीं छात्राएं।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजाराम महिला इंटर कॉलेज के एनएसएस की इकाई का सात दिवसीय विशेष मलिन बस्ती सिरसा ठेर में आयोजित किया जा रहा है। दूसरे दिन स्वयंसेविकाओं ने सफाई अभियान चलाया। उनकी निबंध, स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। कार्यक्रम अधिकारी नाजनीन बेगम ने ग्रामीणों को सड़क हादसों से बचने के लिए तरीके बताए। कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें और फोन पर बात न करें। फुटपाथ पर अपनी साइड में ही चलें, जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करें। जरा सी सावधानी हटने से जान का नुकसान हो सकता है। दूसरे चरण में सड़क सुरक्षा पर बौद्धिक विचार गोष्ठी हुई। अंजुम शहर, सुलेखा, ज्योति सागर, मनी पांडे, चित्रा कुमारी उपस्थित रहीं। प्रधानाचार्य अनीता कुमार ने सड़क के नियमों का पालन करने का आह्वान किया। अंशु कुमारी, मुस्कान, चांदनी आदि शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्राण मंत्र है वंदे मातरम्

बदायूं, अमृत विचार : पार्वती आर्य कन्या इंटर कॉलेज की एनएसएस की स्वयंसेविकाओं ने विशेष शिविर का छठा दिन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के रूप में मनाया। कार्यक्रम अधिकारी किरन बाला ने बाल विवाह से नुकसान के बारे में बताया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चलाई जा रही मुहिम बाल विवाह मुक्त भारत के संबंध में गांव नगला के ग्रामीणों को जागरूक किया। बालिकाओं को पढ़ाने और सही उम्र पर ही शादी करने का आह्वान किया। हर कोई अगर चाहेगा, बाल विवाह बंद हो जाएगा के नारे लगाते हुए गांव में जागरूकता रैली निकाली। प्रधानाचार्य अमिता आलोक ने वंदे मातरम, स्वतंत्रता के मंत्र के बारे में बताया। कहा कि वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्राण मंत्र है। यह एक गीत नहीं हैं बल्कि विदेशी सत्ता के विरोध प्रतिरोध और आत्म सम्मान का प्रतीक है। मंजू पाल, नंदनी, खुशी, वर्षा, नीलम कश्यप, वैष्णवी कश्यप, विंध्यवासिनी, शिवी, कीर्ति कृष्णा आदि छात्राओं ने जागरूक किया। नीलम आर्या, सीमा आर्या, गीतांजलि, पूनम यादव, अनीतिमा सोनी, मीना, सावित्री कश्यप का सहयोग रहा।

जागरूकता रैली निकालतीं पार्वती आर्य कन्या इंटर कॉलेज की स्वयंसेविकाएं।

अभियानों में उलझे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नहीं हो रहे जारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **प्रमाण पत्र न बनने के कारण लोग तहसील और ब्लॉकों के काट रहे चक्कर**
- **अधिकारियों के स्तर पर अटके पड़े हैं आवेदन, नहीं हो रहा निस्तारण**

अमृत विचार: जिले में चल रहे एसआईआर और पंचायत चुनाव के तहत पुनरीक्षण कार्य की वजह से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया उलझ कर रह गई है। तहसीलों में सैंकड़ों आवेदन लंबित पड़े हैं। लेकिन अधिकारी निस्तारण नहीं पा रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। लोग ब्लॉक से लेकर तहसील स्तर पर चक्कर काटने के लिए विवश हैं। लेकिन प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहे हैं।

पढ़ाई सहित अन्य कई कार्यों के लिए लोगों को जन्म-मृत्यु, निवास और आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ रही है। जिसमें सबसे आवश्यकता पढाई संबंधी है। बच्चों को अलाभित शिक्षा के तहत प्रवेश दिलाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र के साथ सामान्य निवास और आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन कर रखा है। लेकिन प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहा। पांचों तहसीलों को मिलाकर करीब दो हजार से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं। एसआईआर और पंचायत चुनाव के चलते पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारी इस ओर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। जिसकी वजह से ग्रामीणों को दिक्कत उठानी पड़ रही है। ब्लॉक जगत के गांव निवासी सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि एक माह पहले उन्होंने अपने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील में आवेदन किया था। आवेदन अब भी तहसील में लंबित पड़ा हुआ है। जिसे ब्लॉक स्तर पर नहीं भेजा गया है। वहीं किसरुआ निवासी श्यामसिंह ने बताया कि आय प्रमाण पत्र के लिए बीस दिन पहले आवेदन किया था। लेकिन अब तक आय प्रमाण पत्र नहीं बन सका है। यह हाल एक तहसील का नहीं है। अपितु सभी तहसीलों का है। आवेदन तहसील स्तर, लेखपाल और बीडीओ के स्तर पर लंबित पड़े हुए हैं। लेकिन उनका निस्तारण नहीं हो रहा है। लोग ब्लॉक और तहसील पर चक्कर काटने के लिए विवश हैं।

> एसआईआर और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य आवश्यक है। इसकी वजह से कुछ काम प्रभावित हो रहे हैं। समय मिलने पर लंबित आवेदनों का निस्तारण किया जा रहा है। जल्द ही सभी आवेदनों का निस्तारण करा दिया जाएगा।
>
> **मोहित कुमार**, एसडीएम सदर

भारतीय गणितज्ञ की स्मृति में होंगी प्रतियोगिताएं

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में 27 जनवरी को श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों के बीच गणित प्रश्नोत्तरी और गणित पर आधारित पोस्टर मॉडल आदि प्रतियोगिताएं होंगी। जिला विज्ञान क्लब के अध्यक्ष अवनीश कुमार ने समन्वयक विवेक जौहरी को निर्देशित किया है। इसके अलावा 2 फरवरी बिसौली के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्वच्छ पर्यावरण व स्वस्थ जीवन, 7 फरवरी को अलापुर मार्ग स्थित जीलॉट पब्लिक स्कूल में अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक कार्यक्रम, 9 फरवरी 2026 को बदायूं इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन होगा।

दिल्ली में हादसे के बाद नालों की शुरू हुई सफाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दिल्ली में एक इंजीनियर की कार नाले में गिर जाने के बाद से नगर पालिका परिषद ने नालों की सफाई करनी शुरू कर दी है। हादसे के बाद से आनन फानन में जेसीबी नाली में उतार दी गयी है जिससे नालों की ताली झार सफाई कराई जा सके।

शहर के नालों की सफाई अधिकांश मई और जून में कराई जाती है जिससे मानसून की बारिश से पहले नाले साफ किए जा सकें। शहर में जलभराव न हो। लेकिन मंगलवार को राजधानी दिल्ली में एक इंजीनियर की कार नाले में गिर गयी। नाले में मलबा और गंदगी होने से पूरी कार नाले में समा गयी। बड़ी घटना होने के बाद अफरा तफरी मच गयी। इधर यूपी में भी नालों को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी गयी। इसे सख्ती के चलते बुधवार को यहां पर नगर पालिका परिषद भी हरकत में आ गयी। पालिका ने सबसे पहले पुलिस लाइन चौराहे के निकट नाले में जेसीबी से सफाई शुरू कर दी। छोटी जेसीबी से नाले की गंदगी और मलबा निकाल कर सड़क किनारे डाल दिया गया। पुलिस लाइन चौराहे से जेल तिराहे तक नाला साफ किया गया। नाला साफ करते समय पालिका कर्मचारियों ने नाले की गहराई देखी और नीचे उतर कर ताली झार सफाई करायी जिससे नाले में कहीं पर भी गंदगी जमी न रह जाए। उधर पुलिस लाइन से इंदिरा चौक तक नाला साफ किया गया। नाले की गंदगी निकाल कर सड़क किनारे डाली गयी। नाले की गंदगी से सड़क किनारे भारी गंदगी से वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया। फिसलन होने से बाइक चालकों को भारी परेशानी हुई।

नगर पालिका प्रशासन की ओर से बताया गया कि शहर के सभी बड़े नालों की सफाई अभी करवाई जा रही है जिससे मई और जून में काम नहीं करना होगा। साथ ही किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। पालिका प्रशासन ने बैठक के बाद नाला सफाई अभियान शुरू किया है। उधर दातागंज रोड स्थित नईसराय के बड़े नाले की सफाई भी जेसीबी से कराई जाएगी। उधर की सफाई होने से शहबाजपुर से दातागंज तिराहे तक रोड पर वाहनों को रोका जाएगा। जिससे किसी तरह की दुर्घटना न हो।

नाले से निकली हुई गंदगी ● अमृत विचार

- **शहर के नालों से निकाला जा रहा मलबा, और गंदगी**
- **दिल्ली में नाले में कार गिरने के बाद हरकत में आई नगर पालिका परिषद**

चिन्हित स्थानों पर पहले होगा काम

नगर पालिका परिषद ने सफाई कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि मोहल्लों में सभी नालों को साफ किया जाए। जिससे बारिश के समय पालिका प्रशासन को दिक्कत न हो। कबूलपुरा, सोथा, बड़ी जियारत, बिल्सी मोड़, लालपुल आदि क्षेत्रों को सफाई करने को चिन्हित किया गया है। इन स्थानों पर सबसे पहले सफाई अभियान चलाया जाएगा।

नगर पालिका कर्मियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बुधवार को पालिका परिसर में सभी कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस दौरान कर्मचारियों ने नगर को स्वच्छ, सुंदर व स्वस्थ बनाए रखने का संकल्प लिया।

अधिशासी अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने कार्यक्षेत्र में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाएं। शपथ के दौरान कर्मचारियों ने सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने, गंदगी न फैलाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर युधिष्ठिर सिंह, राजीव शर्मा, निशांत वाष्णेय, मोहित मौर्य, अखिलेश कुमार, राजीव सागर आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता की शपथ लेते पालिका कर्मचारी ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

फसल की रखवाली कर रहे युवक से मारपीट

मुजरिया, अमृत विचार : थाना मुजरिया क्षेत्र के गांव कटईया केसर निवासी राजेश कुमार रात में अपने खेत पर फसल की रखवाली कर रहे थे। आरोप है कि गांव बसावनपुर के एक दर्जन लोग आए और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट पर उतारू हो गए। उनके पास लाठी-डंडे और अवैध असलाह थे। आरोप है कि उन लोगों ने खेत पर फसल उजाड़ दी। राजेश कुमार के शोर मचाने पर गांव के लोग खेत पर पहुंचे। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है।

दामाद के खिलाफ अपहरण का मुकदमा

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : न्यायालय के आदेश पर थाना पिहानी क्षेत्र के गांव हन्न पसगवां निवासी राधिका की ओर से दामाद के खिलाफ युवती को गायब करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। बताया गया कि गांव आटा खुर्द निवासी राकेश 10 जुलाई 2025 को अपनी पत्नी सुशीला के साथ हरिद्वार में नौकरी करने गया था, जहां से उसकी पत्नी अचानक गायब हो गई। हरिद्वार में गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद महिला का पता नहीं चल सका, जिसके बाद राकेश गांव लौट आया। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि हरिद्वार में महिला की गुमशुदगी दर्ज है और उसे शीघ्र बरामद किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

खुटार, अमृत विचार : प्रतापपुर गांव निवासी विपिन कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि मंगलवार रात उसकी बाइक घर के बाहर बरामदे में खड़ी हुई थी। सुबह देखा तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक का कुछ पता नहीं चला। रात में किसी समय अज्ञात चोर बाइक को चोरी कर ले गया।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : कस्बे में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से गांव लक्ष्मनपुर निवासी अमर सिंह पुत्र हरद्वारी की हीरो डीलक्स बाइक चोरी हो गई। अमर सिंह बाइक को सब्जी बाजार के बाहर सड़क किनारे दुकानों के सामने खड़ी कर सब्जी खरीदने चले गए थे। लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली।

जिले में 15 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना

जनसंख्या के साथ मकानों की भी होगी गणना, डीएम की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समिति गठित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले में जनगणना का काम 15 अप्रैल से शुरू होगा। 2027 जनगणना के लिए जिला प्रशासन के स्तर से तैयारी शुरू हो गई है। इस बार जातियों के आधार पर जनगणना के साथ ही मकानों की भी जनगणना होगी। इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति बनाई गई है। पत्रावलियों की तैयारी पूरी कर ली गई हैं।

एसआईआर और पंचायत चुनाव के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य में उलझे अधिकारियों के ऊपर एक और जिम्मेदारी आ गई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य 18 मार्च को समाप्त हो जाएगा। वहीं एसआईआर प्रक्रिया भी 28 मार्च को अंतिम प्रकाशन के बाद पूरी हो जाएगी। इसके बाद अप्रैल माह में जनगणना 2027 का काम शुरू होगा। जिसकी प्रशासन स्तर पर काम पूरा हो चुका है। डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन हो चुका है। डीएम के स्तर से जनगणना कराने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही हैं। मुख्य विकास अधिकारी के साथ एडीएम प्रशासन, डीएसटीओ, बीएसए, डीपीआरओ के साथ जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जनगणना कार्य की विशेष निगरानी की जिम्मेदारी दी जा रही है। एसआईआर और पंचायत चुनाव के तहत चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्य के बाद अप्रैल माह में अधिकारी जनगणना कार्य में उलझे हुए दिखाई देंगे। जिसे बहुत ही सजगता के साथ किया जाना है।

अप्रैल माह में जनगणना कराने के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जनगणना सेल का गठन किया जा रहा है। इसके बाद जनगणना कराने को ब्लॉक बनाने व क्षेत्र की प्लानिंग की जाएगी। इस कार्य के लिए जिला स्तरीय से लेकर ब्लॉक और तहसील स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

अरुण कुमार, एडीएम प्रशासन

जनगणना के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, तैयारी शुरू

जिले में जनगणना 2027 की तैयारी चल रही है। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान बताया जाएगा कि उन्हें कैसे मकानों की गणना करनी है। मकान को सूचीकरण, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करना, जनसंख्या की गणना, वित्त एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र, आंकड़ों के प्रकाशन एवं सारणीकरण आदि कार्यों की जानकारी दी जाएगी।

30 जून 2027 तक पूरा करना है जनगणना का काम, शासन से भेजी गई गाइड लाइन

जनगणना का काम अप्रैल माह से शुरू होगा। शासन से जारी की गई शासन की गाइडलाइन के अनुसार, 30 जून, 2027 तक गणना का कार्य पूरा कराया जाना है। यह कार्य 16 महीनों में पूरा किया जाएगा। डीएम प्रमुख जनगणना कार्य अधिकारी होंगी। सीडीओ, एडीएम, बीएसए, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, डीएसटीओ, जिला, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, जनगणना कार्य निदेशालय का प्रतिनिधि जिला स्तरीय समिति में शामिल किया गया है।

साल 2011 में हुई थी जनगणना

इससे पहले जनगणना साल 2011 में हुई थी। दस साल बाद होने वाली जनगणना साल 2021 में होनी थी। लेकिन कोरोना काल होने तथा अन्य कार्यों की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया था। इसकी शुरुआत अप्रैल माह में होने जा रही है।

वाहन पेड़ से टकराया भीड़ ने चालक को धुना

ओरछी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा ओरछी में नशे में धुत लोडर वाहन के चालक ने लोगों की जान जोखिम में डाल दी। लोडर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। आक्रोशित लोगों ने चालक को स्टेयरिंग से बाहर खींचकर धुनाई लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को लोगों से बचाया।

राहगीरों के अनुसार चालक शराब की भट्टी के पास से नशे की हालत में लोडर वाहन लेकर आसफपुर मार्ग की ओर निकाला था। ज्यादा नशा होने की वजह से वह वाहन पर नियंत्रण नहीं कर सका और वाहन लहराते हुए तेजी से बढ़ने लगा। रास्ते में कई राहगीर वाहन से जैसे-तैसे बचे। चौराहा पार करते ही फुटपाथ से होता हुआ वाहन पेड़ से जा टकराया। गनीमत रही कि फुटपाथ पर कोई नहीं था। हादसे की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। रास्ते में वाहन से बचे लोग भी मौके पर पहुंचे और चालक की पिटाई लगा दी। लगभग 20 मिनट तक हंगामा चलता रहा। किसी ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी।

बदायूं से ऋषिकेश के लिए फिर शुरू हुई रोडवेज बस सेवा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: भीषण सर्दी और घने कोहरे की वजह से ऋषिकेश तक जाने वाली रोडवेज को बंद कर दिया गया था। जिसे फिर से परिवहन निगम की ओर से दोबारा से शुरू कर दिया गया है। बस सुबह साढ़े आठ बजे रवाना होगा। जिसकी वापसी ऋषिकेश से रात नौ बजे होगी। बस का दोबारा से संचालन होने से यात्रियों को लाभ मिलेगा।

दिसंबर माह के दौरान कडाके की सर्दी के साथ घना कोहरा छाने लगा था। जिसका क्रम मध्य जनवरी तक जारी रहा। घने कोहरे में सड़क हादसों की संख्या में इजाफा होने लगा। ऐसी स्थिति को देखते हुए रोडवेज परिवहन निगम की ओर से उत्तराखंड के ऋषिकेश तक जाने वाली रोडवेज का संचालन बंद कर दिया। अब पिछले कई दिन से मौसम साफ हो गया है। दिन में चटक धूप भी खिल रही है। कोहरा भी नहीं हो रहा है। मौसम साफ होने पर रोडवेज परिवहन निगम द्वारा ऋषिकेश जाने वाली रोडवेज बस सेवा का संचालन फिर से शुरू कर दिया है। बदायूं से बिसौली चंदौसी मुरादाबाद धामपुर नगीना नजीबाबाद हरिद्वार ऋषिकेश तक जाने वाली बस सुबह साढ़े आठ बजे जाएगी। वहां से रात्रि नौ बजे बदायूं के लिए रवाना होगी। परिवहन निगम की ओर से बदायूं से हरिद्वार का किराया 432 और ऋषिकेश तक का किराया 486 रुपए निर्धारित किया है। बस के दोबारा संचालन से हरिद्वार जाने वाले यात्रियों को लाभ होगा। एआरएम राजेश पाठक ने बताया कि घने कोहरे की वजह से ऋषिकेश जाने वाली बस का संचालन बंद कर दिया था। जिसे दोबारा से शुरू कर दिया है। जिसका लाभ यात्रियों को मिलेगा।

रोडवेज डिपो में खड़ी ऋषिकेश वाली बस।

- भीषण सर्दी की वजह से बंद कर दी गई थी ऋषिकेश जाने वाली बस सेवा

सचिव सहित 3 लोगों के खिलाफ 20 हजार मांगने की दर्ज हुई एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सरकारी आवास के नाम पर रुपये मांगने का है आरोप
- अदालत के आदेश पर बिनावर थाने में मामला दर्ज

अमृत विचार: थाना बिनावर क्षेत्र में सरकारी आवास दिलाने के नाम पर सचिव सहित अन्य तीन लोगों पर बीस हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगा है। थाना क्षेत्र निवासी महिला ने ग्राम पंचायत अधिकारी, सर्वेयर और एक स्थानीय व्यक्ति पर 20 हजार रुपये की मांग करने का आरोप लगाते हुए न्यायालय में वाद दायर किया था। जिस पर न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश कर दिए। थाना पुलिस ने न्यायालय का आदेश मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

थाना क्षेत्र के गांव अमानाबाद मजरा मुझियाना निवासी महिला लक्ष्मी देवी पत्नी जसवीर ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है। उसके पास रहने के लिए पक्का घर तक नहीं है। इसके लिए उनके द्वारा प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि आवेदन की प्रक्रिया के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी सुधीर कुमार सिंह और सर्वेयर महिपाल गंगवार ने फोन कर उनसे 20 हजार रुपये की मांग की। जिसे देने से इंकार करने पर आरोपियों ने कथित रूप से उनके आवेदन में किसी अन्य के घर की फोटो लगाकर आपत्तिजनक टिप्पणी लिख दी। जिसका पीड़िता ने विरोध किया। साथ ही सही मकान दिखाने की बात कही, लेकिन उन लोगों ने बिना रुपये दिए रिपोर्ट न लगाने की धमकी दी गई। पीड़िता का कहना है कि मजबूर होकर उन्होंने थाना बिनावर में 26 अप्रैल 2025 को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की, लेकिन पुलिस ने जांच में मामला सही पाए जाने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इससे आहत होकर पीड़िता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल

किया। न्यायालय के आदेश पर थाना बिनावर पुलिस ने सचिव, सर्वेयर सहित तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सिसरका में प्रधानपति का तांडव, पूर्व प्रधान पर हमला

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी प्रधान पति की दबंगई कम नहीं हो रही है। बुधवार रात उसने गांव में जमकर तांडव मचाया। अपने साथियों के साथ पूर्व प्रधान के घर पर हमला कर दिया। लाठी-डंडे और लोहे की रॉड लेकर मारपीट और तोड़फोड़ की। किसी ने वीडियो बनाकर सोशल साइट्स पर वायरल कर दिया है। गांव दहशत का माहौल है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका के पूर्व प्रधान नरेंद्र सिंह की वर्तमान प्रधान पति तनवीर उर्फ टिंकल से रंजिश चल रही है। पूर्व प्रधान के अनुसार प्रधान पति ने चुनावी रंजिश और वर्चस्व की लड़ाई के चलते उनके घर पर धावा बोल दिया। जो वायरल हुई वीडियो में देखा जा सकता है। वह जबरन उनके मकान में दाखिल हुए। पूर्व प्रधान के परिजनों से गाली-गलौज और मारपीट की। हमला के दौरान घर की महिलाएं बुरी तरह सहम गईं और चीख-पुकार मच गई। आरोपी तनवीर के खिलाफ पहले से ही मामले दर्ज हैं। 14 जनवरी को भी उसने पूर्व प्रधान पर हमला किया था। पुलिस ने 18 जनवरी को उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस की सुस्ती और आरोपी को गिरफ्तार न किए जाने की वजह से उसके हौसले बुलंद हैं और उसने दोबारा पूर्व प्रधान पर हमला किया। घटना के बाद से ही गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पहली घटना के बाद ही पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की होती, तो आज यह दोबारा न होता। पुलिस की चुप्पी अब स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

पूर्व प्रधान के घर हमला करता आरोपी प्रधान पति। ● अमृत विचार

घायल पूर्व प्रधान नरेंद्र सिंह।

- रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी आरोपी का हौसला बुलंद, हमले का वीडियो वायरल

पुलिसकर्मियों के साथ आरोपी के फोटो वायरल

ग्रामीणों के अनुसार आरोपी का पुलिस से अटूट मेल है। जिसकी वजह से उसे कानून का खौफ नहीं है। पुलिस के रिकॉर्ड में वह शातिर है। संभल के थाने में उसपर गैंगस्टर एक्ट समेत कई मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। अपने रसूख के चलते उसकी दबंगई लगातार जारी है। कुछ पुलिसकर्मी उस पर मेहरबान रहते हैं। उसका दारोगा और सिपाहियों के साथ भी फोटो वायरल हो चुके हैं।

बदायूं डायरी

कथा सुनने से मनुष्य को मिलता है पुण्य : बृज बिहारी

विजय नगला, अमृत विचार : बिनावर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिनावर में स्थित शिव मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत के तीसरे दिन कथा वाचक बृज बिहारी ने नरसिंह अवतार के बारे में विस्तार से कथा सुनाई। कथा के बीच-बीच में मनमोहन झांकियां निकल गईं। जिससे भक्तों में भारी हर्षोल्लास दिखाई दिया। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का भी अत्यंत रोचक तरीके से वर्णन किया गया। जिसे सुनकर श्रद्धालु आनंदित हो उठे। कथा के समापन पर विधिवत राम आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। यजमान राजेश साहू, हरिओम सिंह, बबलू शनि ठाकुर, आदेश शर्मा, अंशु माथुर, सचिन शर्मा, निखिल ठाकुर, अनुपम सेन, विवेक साहू, गोविंद साहू, पप्पू माथुर, जेपी सिंह, मुकेश यादव, संदीप तोमर, सुदेश शर्मा, मनीष गुप्ता आदि भक्त मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में विकास योजनाओं पर हुई समीक्षा

बिल्सी, अमृत विचार : अंबियापुर विकास खंड मुख्यालय पर बुधवार को क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत प्रमुख रेखा देवी भारती ने की। बैठक में पिछली बैठक में कराए गए विकास कार्यों का विस्तृत लेखा पढ़कर सभी सदस्यों को सुनाया गया और उनकी पुष्टि की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, सदर विधायक महेश गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य और प्रदेश मंत्री डीपी भारती भी उपस्थित रहे। बीडीओ शैली गोविल ने विभिन्न सरकारी एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और उनके लाभ पात्रों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास और समाज के अंतिम पंक्ति तक योजनाओं के लाभ पहुंचाने पर चर्चा की।

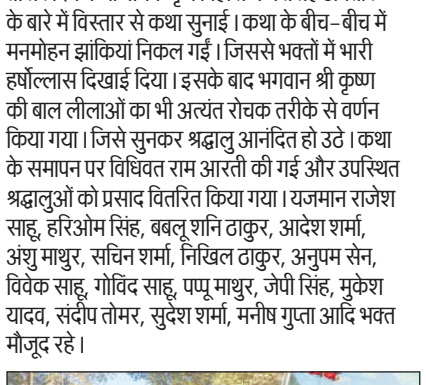

बस सेवा शुरू होने पर ग्राम प्रधान ने किया सम्मानित

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव लक्ष्मीपुर से सुबह 9 बजे दबतोरी, बिसौली, संभल, गजरौला, हापुड़ होते हुए आनंद बिहार के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू हुई। ग्रामीण खासे खुश हैं। अब दिल्ली तक का सफर आसान हो गया है। वहीं बिसौली तक जाने वाले लोगों को डग्गामार वाहनों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। वह डग्गामार वाहन मनमाना किराया भी लेते थे। जनता की समस्याएं उठाने पर लक्ष्मीपुर के प्रधान मोहम्मद सफी ने बिसौली मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, अधिवक्ता पवन चौहान व संजीव मिश्रा, सत्येंद्र मिश्रा, सचिन मिश्रा, बस के परिचालक हरि सिंह, सौदान सिंह का माल्यार्पण करके सम्मानित किया।

कैंप में हुई 76 हजार की बसूली, 22 ने कराया ओटीएस

करियामई, अमृत विचार : गांवों में बिजली वसूली कैंप का आयोजन बिजली विभाग द्वारा बकाया किया गया। जिसमें बिजली बिलों पर छूट की सुविधा देने, उपभोक्ताओं से राजस्व वसूली, करने तथा ओटीएस कराने को उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया। ओटीएस योजना के तहत बिजली विभाग गांव गांव कैंप लगा रहा है। जिसमें उपभोक्ता अपने बिजली बिल जमा कर छूट का लाभ ले रहे हैं। बुधवार को यहां पर बिजली विभाग ने कैंप लगा कर उपभोक्ताओं की ओटीएस की। कैंप में करीब 30 कनेक्शन धारकों ने ओटीएस कराकर योजना का लाभ लिया, जिसमें कनेक्शन धारकों से करीब 76 हजार रुपए की बसूली हुई। कैंप में टीजी 2 बिनोद कुमार ने गांव में घर-घर जाकर मीटर चेक किए और बकाया बिल जमा करने की अपील की। बताया कि 22 कनेक्शन धारकों ने ओटीएस कराया और 8 कनेक्शन धारकों ने बिल जमा किए। कैंप के दौरान टीजी 2 बिनोद कुमार, अमन, बीरेश, दीपांश,ओमबीर, राजेन्द्र,जितिन, अमर सिंह आदि लाइनमैन मौजूद रहे।

दिव्यांगों को बांटीं ट्राईसाइकिलें

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : कस्बे में बुधवार को ब्लॉक प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख पति विक्रांत यादव ने 31 ट्राई साइकिल एवं दहगवां ब्लॉक प्रमुख पति सुभाष गुप्ता ने 13 ट्राई साइकिल दिव्यांगजनों को वितरित की, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज में सम्मान और समर्थन देना हमारा कर्तव्य है।विक्रांत यादव ने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन में सुधार लाने के लिए सहायता प्रदान करना है। ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांगजनों को अपने दैनिक कार्यों में आसानी होगी और वे अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने में सक्षम हो पाएंगे।

अंत में ब्लॉक प्रमुख ने दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें समाज में सम्मान और समर्थन देने का आह्वान किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, ब्लॉक प्रमुख कीर्ति यादव, ब्लॉक प्रमुख पति विक्रांत यादव, ब्लॉक प्रमुख पति दहगबां सुभाष गुप्ता, बी.डी.ओ सतीश कुमार, नगर अध्यक्ष पियूष महेश्वरी सहित समस्त भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल बांटते विक्रांत यादव व अन्य ● अमृत विचार

- ब्लाक प्रांगण में आयोजित किया गया समारोह

लड़की को बहलाकर ले जाने पर 10 साल का कारावास

बदायूं, अमृत विचार : नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने और धमकाने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाते हुए 10 साल के कठोर कारावास और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति रूप में देने का आदेश दिया है।

वादी मुकदमा ने कोतवाली बिल्सी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 6 अक्टूबर 2015 में उनकी 16 साल की बेटी को उसके मोहल्ले में रहने वाला राकेश पुत्र नन्हें बहलाकर ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके उसकी तलाश शुरू की और बरामद कर लिया। लड़की ने बताया कि मां ने सब्जी लेने भेजा था। रास्ते में राकेश मिला। उसने अपने पास बुलाया। कहा कि बाईपास पर सस्ती सब्जी मिलती है। वह बहाने से उसे बाइपास पर ले गया। जहां एक गाड़ी खड़ी थी। उसने लड़की को गाड़ी में बैठाया और अलीगढ़ ले गया था। न्यायालय में राकेश पर नाबालिग लड़की को ले जाने और मारने की धमकी देने का मुकदमा चला। न्यायाधीश ने साक्ष्य विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

गैस सिलेंडर से लगी आग, सामान जला

पीलीभीत, अमृत विचार : मंगलवार देर शाम सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फीलखाना निवासी मोहम्मद शाहीन पुत्र मोहम्मद शफीक अंसारी के घर में रसोई में रखे घरेलू गैस सिलेंडर ने अचानक आग पकड़ ली। रसोई से धुआं और आग की लपटें उठती देख परिवार के सदस्यों ने शोर मचाया।

आसपास के काफी लोग भी एकत्र हो गए। लोगों ने पानी और रेता डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। परिजनों के मुताबिक मंगलवार सुबह ही सिलेंडर बदलकर नया लगाया गया था। हादसे की सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने से काफी घरेलू सामान जल गया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी राजस्व विभाग को दी गई है।

किसान हित में कार्य करने का संकल्प

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : भारतीय हलधर किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र सोलंकी बुधवार को नगर के तहसील रोड स्थित सिटी कंपलेक्स परिसर स्थित यूनियन कार्यालय पहुंचे। यहां पर पदाधिकारियों ने उनका फूल माला और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बातचीत कर किसानों की समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि यूनियन की ओर से सरकार के समक्ष जो भी मांगें रखी गई हैं, उन्हें पूरा करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने किसानों के हित के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया। इस के बाद वह बदायूं रोड स्थित जिला कैंप जिला कार्यालय, ग्राम सतेती में जिलाध्यक्ष राहुल सोलंकी और दुर्गा नगर स्थित कार्यालय पर बिजनेस सोलंकी से भी भेंट की। दोनों नेताओं ने यूनियन की गतिविधियों और किसानों के हित में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि किसान संगठन हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस मौके पर विवेक चौहान, टीटू जैन, अवधेश लड्ढा, बिजनेस सोलंकी, प्रदीप चौहान, चंद्रसेन माहेश्वरी, अनूप कुमार सिंह, सूरज सागर, नरेश चंद्र आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूनियन कार्यालय पर बात करते धीरेंद्र सोलंकी ● अमृत विचार

- भारतीय हलधर किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपना नाम वाहिद अली से बदलकर वाहिद अली मंसूरी पुत्र साबिर अली मंसूरी व माता ताहिरा बेगम मंसूरी निवासी-मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना, बांकेगंज रोड गोला गोकर्णनाथ-खीरी कर लिया है। भविष्य में हमको इसी नाम से जाना और पहचाना जाये।

NOTICE

I solely informed that my Son Prashant Singh Rana S/o Karan Singh Rana but in school record my name is Karan Singh and his mother's name is Savitri Devi instead of Savitri Devi Rana. please it is read as Prashant Singh Rana S/o Karan Singh Rana and his mother's name is Savitri Devi. Karan Singh Rana S/o Sadhu Singh Rana resident village and P/O Dhakhiya Tahsil paliya Kalan, District Lakhimpur kheri, Uttar Pradesh.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हाईटेंशन लाइन टूटी गन्ना जला

मैगलगंज, अमृत विचार : औरंगाबाद विद्युत केंद्र क्षेत्र के हैरमखेड़ा गांव में हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर खेत में गिर गया, जिससे एक किसान का गन्ना जल गया। गांव निवासी मुलायम के खेत में अचानक हाईटेंशन लाइन का तार गिरने से आग लग गई, जिससे गन्ने की फसल जलने लगी। ग्रामीणों व किसान की सतर्कता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के खेतों को बचा लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में हाईटेंशन लाइनें काफी जर्जर अवस्था में हैं। इसके बावजूद विद्युत विभाग द्वारा समय रहते मरम्मत या तार बदलने का कार्य नहीं कराया जा रहा, जिससे आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। किसानों ने विभाग से शीघ्र जर्जर तारों को बदलवाने की मांग की है।

चाइनीज मांझे की चपेट में आकर अधिवक्ता घायल

बरेली, अमृत विचार : राजेन्द्र नगर निवासी तरुण जोशी अधिवक्ता हैं। वह बुधवार की शाम कचहरी से काम समाप्त करने के बाद बाइक से घर जा रहे थे। वह जैसे ही शाहमतगंज पुल पर पहुंचे तभी उनकी बाइक के आगे चाइनीज मांझा आ गया। वह जब तक संभलते चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। मांझे को हटाने के प्रयास में उनकी बाइक गिर गई। वहीं मांझे से उनकी गर्दन भी कटने से खून निकलने लगा। आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें उठाकर पास के निजी अस्पताल में ले गए। अधिवक्ता उमंग रावत (शीनू) ने बताया कि शहर में लगातार चाइनीज मांझे से घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस-प्रशासन उस पर रोक नहीं लगा पा रहा है। बताया कि गुरुवार को डीएम कार्यालय में ज्ञापन दिया जाएगा।

किसानों को बिना मर्जी दे रहे नैनो खाद

डीएम की अध्यक्षता में विकास भवन में आयोजित किसान दिवस में आईं कई शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बंद बिजली मीटर पर बिल और कम खर्च पर चार लाख तक के बिल भेजने के मामले भी उठे
- बहेड़ी क्षेत्र की शकरस नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने को लेकर डीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार: किसान दिवस में बुधवार को खाद दुकानों पर किसानों को डीएपी, यूरिया के साथ नैनो खाद बेवजह देने, बिजली विभाग की ओर से मीटर बंद होने पर बिल भेजने और कम खर्च पर दो से चार लाख रुपये का बिल भेजने के मुद्दे छाए रहे। किसानों ने कहा कि सरकार कह रही है कि किसान आय बढ़ाएं लेकिन किसान कैसे आए बढ़ाएं, खाद की दुकानों पर मर्जी के बिना नैनो दी जा रही है। कृषि यंत्रों की सब्सिडी नहीं मिल रही है। तहसीलों में सुनवाई नहीं हो रही है। तहसीलों के अधिकारी शोषण कर रहे हैं। खेत के बीच में 11 हजार की लाइन के टूटने पर सही कराने के लिए दिक्कत झेलनी पड़ रही है। किसानों ने ये मुद्दे डीएम के समक्ष उठाते हुए निराकरण की मांग जोर-शोर से उठायी।

विकास भवन के सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी अविनाश एवं मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसानों ने गन्ना भुगतान को समय पर कराने की मांग उठायी। इस पर डीएम ने किसानों को आश्वासन दिया कि गन्ने का बकाया भुगतान समय पर कराया जायेगा। ग्राम रहटुइया निवासी भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के पदाधिकारी प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर आरोप लगाया कि तहसील स्तर पर किसानों का शोषण हो रहा है। बहेड़ी के किसान नेता करन सिंह सागर ने ग्राम शकरस में नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने का मामला उठाया। भाकियू टिकैत के पदाधिकारी कासिफ रजा ने बिजली बिल ज्यादा आने और खाद दुकानों पर बेवजह नैनो खाद देने की शिकायत की।

भाकियू टिकैत के जिला प्रवक्ता मो. इकबाल ने बताया कि किसान दिवस में शिकायतों का निस्तारण नहीं होता है। शिकायतें लेकर रख ली जाती हैं। डीएम ने किसानों की समस्याएं सुनकर विभागीय अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के बाद कृषकों से वार्ता कर उन्हें अवगत कराएं। अधिकारी स्वयं बात कर समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करें। डीएम ने कहा कि अगले किसान दिवस में पुरानी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कृषि विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग, नलकूप विभाग, गन्ना विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

उर्द 266 क्विंटल एवं मूंग 471 क्विंटल बीज बुकिंग के जरिये मिलेगा

जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजना जनपद में गन्ने के साथ उर्द 266 क्विंटल एवं मूंग 471 क्विंटल के बीज की बुकिंग ऑनलाइन की जा रही है। इनके बीज किसानों को बुकिंग के माध्यम से दिए जाएंगे। किसानों को कृषि यंत्रीकरण के संबंध में भी जानकारी दी।

बकरी, मत्स्य व मधुमक्खी पालन के बारे बताया

कृषि वैज्ञानिक एवं मत्स्य पालन विशेषज्ञ दुर्गा दत्त शर्मा ने किसानों को आईएफएस मॉडल के बारे में जानकारी दी और मौसम चक्र के साथ खेती करने एवं बकरी और मत्स्य पालन के साथ मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी ने किसानों को बताया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए गुड एवं मिनरल मिक्स चारा की सही मात्रा भोजन में उपलब्ध करायें।

एसएसपी कार्यालय के बाहर बुजुर्ग ने किया आत्मदाह का प्रयास

बरेली, अमृत विचार : एसएसपी कार्यालय के बाहर बुधवार सुबह अपने साथ लाए ज्वलनशील पदार्थ को बुजुर्ग ने जैसे ही अपने ऊपर डाला पुलिसकर्मियों ने दबोच लिया। बुजुर्ग ने किला पुलिस और एक मीडियाकर्मी पर परेशान करने का आरोप लगाया है। कोतवाली पुलिस ने पूछताछ की। घटना से हडकंप मच गया।

किला थाना क्षेत्र के गढ़ी चौकी निवासी बुजुर्ग लक्ष्मी नारायण ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय के बाहर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालने की कोशिश की। पुलिस ने समय रहते उसे पकड़ लिया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए बुजुर्ग को तुरंत कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने उसे कोतवाली पहुंचा दिया। वहां कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम ने उससे पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के दौरान बुजुर्ग ने आरोप लगाया कि एक थानेदार और एक मीडियाकर्मी की मिलीभगत से उसे परेशान किया जा रहा है। इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने जान देने की कोशिश की। कोतवाल का कहना है कि जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आग से लाखों का सामान राख

संवाददाता, पसगवां

आग में झुलसी अर्चना। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बा जंगबहादुरगंज में खाटूश्यामजी के भक्त व भजन गायक सचित सक्सेना के घर में मंगलवार की रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की चपेट में आकर लाखों रुपये का घरेलू सामान और परचून की दुकान का स्टॉक जलकर राख हो गया, वहीं आग बुझाने के प्रयास में सचित का बड़ा भाई रचित सक्सेना और विवाहिता बहन अर्चना झुलस गए। हादसे से परिवार में अफरातफरी मच गई।

पीड़ित परिवार के मुखिया रामप्रकाश सक्सेना ने बताया कि आग रात करीब तीन बजे लगी। आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। जब परिवार को आग की जानकारी हुई तो शोर मचाकर मोहल्ले के लोगों को बुलाया गया। मोहल्लेवासियों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। रामप्रकाश सक्सेना कस्बे में किराना की दुकान संचालित करते हैं।

उन्होंने बताया कि दुकान से संबंधित काफी मात्रा में परचून का सामान घर में रखा हुआ था, जिसे वे दो दिन पहले ही लेकर आए थे। आग लगने से घर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। सचित सक्सेना के अनुसार आग से हुए नुकसान का अनुमानित आंकलन करीब 10 लाख रुपये तक पहुंच रहा है। आग बुझाने के दौरान विवाहित पुत्री अर्चना और भाई रचित सक्सेना झुलस गए, जिनका उपचार कराया गया है। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय लेखपाल हरनाम मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। आग लगने की इस घटना से मोहल्ले में दहशत का माहौल बना रहा। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

दो नकलची पकड़े

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि बुधवार को एमकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में छात्रा और एलएलबी प्रथम सेमेस्टर में एक छात्र पर्चियों से नकल करते पकड़ा। दोनों को यूएफएम करके महाविद्यालय को सूचना दी गई है।

ट्रॉली पलटने से बाइक दबी, दंपती घायल

संवाददाता, मझगईं

- पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर जाम, मची अफरा तफरी

अमृत विचार: पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर नौगवां कस्बे के आगे बुधवार दोपहर बाद उस समय अफरातफरी मच गई, जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली का गुल्ला टूटने से गन्ना लदी ट्रॉली सड़क पर पलट गई। हादसे में एक बाइक ट्रॉली के नीचे दब गई, जिससे बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे के दोनों ओर लंबा जाम लग गया।

खैरा फार्म निवासी गुरप्रीत सिंह ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना भरकर पलिया चीनी मिल जा रहे थे। नौगवां कस्बे के आगे बेला (छोटा बेला) के पास अचानक ट्रैक्टर का गुल्ला टूट गया, जिससे ट्रॉली सड़क के बीचो-बीच पलट गई। इसी दौरान पलिया से दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार इशराक अली निवासी बल्लीपुर गदियाना थाना मझगई अपनी पत्नी आयशा के साथ ट्रॉली की चपेट में आ गए और बाइक सहित गन्ने के नीचे दब गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना अचानक हुआ कि बाइक सवार को संभलने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए गन्ने के नीचे दबे दंपती को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार इशराक अली के सिर व पीठ में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उनकी पत्नी आयशा को भी अंदरूनी गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। दोनों का इलाज सीएचसी पलिया में जारी है। हादसे के कारण हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया और यातायात सुचारु कराया।

बीज भंडार दुकानदार से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गांव अभयपुर निवासी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि उसकी बीर बाबा चौराहा पर पेस्टीसाइड की दुकान है। सुबह करीब 9 बजे वह दुकान पर थे। तभी विजय कुमार, गोविन्द वर्मा, सतीश वर्मा व विद्या वर्मा निवासी जोधापुरवा मजरा नैनापुर दुकान पर आए।

आरोप है कि आरोपी बिना किसी कारण गालियां देने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर लात-घूंसों से मारपीट कर दी, जिससे उसके होंठ और पीठ में गंभीर चोटें आईं। इसके बाद आरोपियों ने दुकानदार का आईफोन छीनकर तोड़ दिया, जिसकी कीमत करीब 85 हजार रुपये बताई जा रही है। जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी भी दे गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना एसआई मोहम्मद जुबेर अहमद को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि घायल दुकानदार का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

आंबेडकर पार्क तक आज निकाला जाएगा मार्च

हड़ताल पर बैठी आशा बहनें। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को 38 वें दिन भी जारी रही। आशा कर्मियों ने कहा कि अब सरकार को झुकना होगा तभी हड़ताल वापस ली जाएगी। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि इतने दिन से आंदोलन चल रहा है सरकार सिर्फ आंदोलन को कुचलने की साजिश पर तुली हुई है। उसे अब तक भी समझ नहीं आया कि बिना समस्याओं का समाधान किए आंदोलन खत्म नहीं होगा।

जौली वैश्य ने कहा कि 22 जनवरी को अम्बेडकर की प्रतिमा तक मार्च निकालकर बहरी सरकार को संविधान की प्रस्तावना की याद दिलाएंगे कि सरकार जनता के द्वारा जनता के लिए बनाते हैं, आज सरकार भ्रष्टाचारियों के बचाव में लगी है।

उन्होंने आह्वान किया कि गुरुवार को अम्बेडकर की प्रतिमा पर पहुंचने के लिए समय से बड़ी संख्या में आशा कर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता एकजुट के साथ आएं। इस मौके पर नंदिनी, हेमपुष्पा, संसारवती , नीलम, किरण, रूपवती, रूपा, विमला, ने भी संबोधित किया।

बवाल में तीन आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

बरेली, अमृत विचार : मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर 26 सितंबर को शहर में हुए बवाल के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश अमृता शुक्ला ने बारादरी थाना क्षेत्र के पुराना शहर निवासी मुस्तफा नूरी, समनान हुसैन और युनूस की अग्रिम जमानत अर्जियां खारिज कर दीं। एडीजीसी क्राइम महेश यादव ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय ने पुलिस पर फायरिंग, पथराव होने पर जानलेवा हमला समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

भारत सरकार : रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
मानक नगर, लखनऊ – 226011
RDSO रेल अग्रदूत Transforming Railways www.rdso.gov.in

RO No. 51/2025-26/Telecom 'ई–टेन्डर' दिनांक: 21.01.2026

निविदा सूचना संख्या– टी एल/01 ऑफ 2026

निदेशक/दूरसंचार–II, अ.अ.मा.सं., लखनऊ कृते एवं भारत के राष्ट्रपति के ओर से ई–टेन्डर के ओपेन टेंडर मोड के माध्यम से विभिन्न टेंडरर को भागीदारी के लिए आमंत्रित करते हैं, यदि टेंडर डॉक्यूमेंट में लिखित सभी योग्यताएं पूर्ण हो रही हों।

निविदा सूचना सं0 एवं कार्य का विवरण	बयाना राशि (रू0)	अनुमानित लागत (रु0)
टी एल/01 ऑफ 2026 कार्य का नाम: आरडीएसओ लखनऊ के दूरसंचार प्रयोगशाला में एलटी 4G/5G नेटवर्क परीक्षण प्रतिरूप स्थापित करने हेतु प्रस्ताव	2,71,000.00	2,41,95,653.30
	स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: 6 माह निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: दिनांक 09.02.2026 को 15:00 बजे। निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.02.2026 को 15:30 बजे।	

नोट:– ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नही है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजर अंदाज कर दिया जाएगा।
● पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है।
● निविदा दाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये।
● सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

निदेशक/दूरसंचार–II, अ.अ.मा.सं., लखनऊ
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से

IFFDC इण्डियन फार्म फॉरेस्ट्री डवलपमेंट को-ऑपरेटिव लि.
राज्य कार्यालय:- इफको भवन, 8 गोखले मार्ग, लखनऊ- 226001

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक: 20.01.2026

आई.एफ.एफ.डी.सी. बीज विधायन संयन्त्र ताखा जनपद इटावा पर उपलब्ध गेहूं बीज का छानस (अण्डर साइज) लगभग 2355.60 कुन्तल, गेहूं बीज गेन/सीपेज लगभग 246 कुन्तल, गेहूं बीज अनसोल्ड 2393 कुन्तल, मूंग सीपेज 02 कुन्तल एवं मूंग अण्डर साइज 32.50 कुन्तल, संयन्त्र चपरतला मैंगलगंज लखीमपुर में गेहूं छानस (अण्डर साइज) लगभग 6984.89 कुन्तल, गेहूं गेन/सीपेज लगभग 775 कुन्तल एवं गेहूं अनसोल्ड/फेल लॉट 3962 कुन्तल तथा संयन्त्र हरखूमऊ अमेठी में गेहूं अनसोल्ड 88 कुन्तल, इस प्रकार कुल सम्भार लगभग 16838.99 कुन्तल है, की बिक्री हेतु निविदा सीलबन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पार्टी जिसका मण्डी परिषद में पंजीकरण हो वह अपने पैन कार्ड और जीएसटी पंजीकरण की छायाप्रति और रूपये 2,00,000/- (दो लाख) मात्र EMD के ड्राफ्ट/ RTGS संस्था के खाते Lucknow up seed Yes Bank A/c No. 010581400000441, IFS Code- YESB0000105, Place- Gurgaon प्रति बीज विधायन संयन्त्र के अनुसार अलग-अलग जो आई.एफ.एफ.डी.सी. के पक्ष में लखनऊ पर देय हो के साथ अपनी निविदा (प्रति कुन्तल कर रहित) सीलबन्द लिफाफे में दिनांक 30.01.2026 तक आई.एफ.एफ.डी.सी. के राज्य कार्यालय इफको भवन, 8 गोखले मार्ग, लखनऊ में अपराहन 01:00 बजे तक जमा करा सकते हैं। निविदा उसी दिन अपराहन 02:00 बजे मुख्यालय द्वारा गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। H-1 पार्टी की दर (निगोशियेशन उपरान्त) को सक्षम अधिकारी से स्वीकृति उपरान्त ही सम्बन्धित पार्टी को कार्यादेश दिया जायेगा। सम्भार का उठान उठाने वाली मात्रा के सापेक्ष पूर्ण भुगतान संस्था के खाते में जमा होने की पुष्टि के उपरान्त सम्बन्धित पार्टी (आपके) के 6R सहित, आपूर्ति गोदाम से पार्टी (आपके) के बोरों में व आपके लोडिंग खर्च के साथ प्रदान की जायेगी। यदि सम्भार की आपूर्ति आई.एफ.एफ.डी.सी. संस्था के बोरों में की जाती है तो सम्भार में बोरियों का वजन भी शामिल होगा जिसका भुगतान भी सम्भार की दरों पर ही लिया जायेगा। छानस (अण्डर साइज) एवं सीपेज संयन्त्र (ताखा, इटावा) एवं चपरतला (मैगलगंज, लखीमपुर) में किसी कार्य दिवस में देखा जा सकती है। सम्भार जैसा, जिस भी स्थिति में है, उसी दशा में उठान कराना होगा।

सम्पर्क सूत्र:-
संयन्त्र प्रभारी, चपरतला मैगलगंज- 9311421739
संयन्त्र प्रभारी, ताखा इटावा- 9311421742
संयन्त्र प्रभारी, हरखूमऊ अमेठी- 9450970631

परियोजना प्रबन्धक
आई.एफ.एफ.डी.सी.
राज्य कार्यालय लखनऊ

अफसरों ने किया कृषकों की समस्याओं का समाधान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

किसानों की समस्याएं सुनते सीडीओ व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सीडीओ केशव कुमार सहित कृषि अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को सुनने के बाद उनका निस्तारण किया।

किसानें ने अधिकारियों के समक्ष बैक, कृषि, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना संबंधी शिकायत की। उनका निस्तारण अधिकारियों ने किया गया। किसान दिवस में उपस्थित किसान नरवेश सिंह ने गन्ना भुगतान की समस्या रखी। जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि गन्ना का भुगतान 31 जनवरी तक का हो गया है। शेष भुगतान भी जल्द कराया जाएगा।

इस दौरान उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने को कहा। कहा कि 31 मार्च किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा ले अन्यथा 1 अप्रैल से पीएम किसान सम्मान निधि एवं कृषि तथा सम्बद्ध विभागों की योजनाओं का लाभ मिलना बन्द हो जायेगा। इसके अलावा अन्य योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई।

किसान दिवस में जिला मत्स्य अधिकारी अमित कुमार, जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत, एआर कोआपरेटिव मुन्नालाल मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि पर दोबारा अवैध कब्जा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना फूलबेहड़ के गांव श्रीनगर में ग्राम सभा की कीमती भूमि पर बार-बार कुछ लोगों ने दोबारा अवैध कब्जा कर लिया। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव श्रीनगर में स्थित गाटा संख्या 809, रकबा 0.388 हेक्टेयर अभिलेखों में अन्य बंजर भूमि के रूप में दर्ज है। आरोप है कि इस भूमि के एक हिस्से 0.091 हेक्टेयर पर जगदेवी ने 11 जनवरी 2026 को छप्पर डालकर अवैध कब्जा कर लिया था, जिसे 19 जनवरी 2026 को नायब तहसीलदार के नेतृत्व में गठित राजस्व व पुलिस टीम ने हटवा दिया था। इसके बावजूद उसी दिन रात में श्रीनगर निवासी अमित कुमार ने दोबारा उक्त भूमि पर छप्पर डालकर अवैध कब्जा कर लिया। इसके अलावा आरोप है कि चंद्रशेखर, राम मिलन, राममूर्ति ने लगभग 0.056 हेक्टेयर भूमि पर पक्की दुकानें व पालेशर (चक्की) लगाकर अवैध कब्जा कर रखा है। वहीं मुन्ना लाला सहित अन्य लोगों ने भी इसी भूमि पर पक्की दुकानें बनाकर कब्जा कर रखा है। लेखपाल रमाकांत वर्मा ने बताया कि आरोपियों ने सरकारी व ग्रामसभा की अत्यंत कीमती भूमि को खुर्द-बुर्द कर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई अशोक कुमार यादव को सौंपी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर - पीलीभीत

पत्रांक: 460/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 20.01.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	वार्ड नं. 03 में जितेन्द्र पाल गंगवार के मकान से डॉ. अमित से नरेन्द्र सिंह गंगवार के मकान तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	1443370.00	24500.00	1800.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 21.01.2026 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 04.02.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 05.02.2026 को अपराहन 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी.सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

रामपुर रोड आज बंद रहेगी बरेली रोड का करें प्रयोग

- वजह: रामपुर रोड पर स्थित टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत की जाएगी

संवाददाता, हल्द्वानी/रुद्रपुर

अमृत विचार: टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते आज रामपुर रोड पर रुद्रपुर और हल्द्वानी के बीच वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। ऐसे में हल्द्वानी से रुद्रपुर और रुद्रपुर से हल्द्वानी आने-जाने वाले लोगों को रामपुर रोड के बजाय बरेली रोड का प्रयोग करना होगा। हालांकि इसका रेल यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हल्द्वानी पुलिस के मुताबिक, 22 जनवरी को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक छतरपुर-हल्दी रोड रेलवे स्टेशनों के मध्य रुद्रपुर-हल्द्वानी मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक के मरम्मत का कार्य होगा। इसके चलते वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। रामपुर रोड पर सुबह 7:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा।

यह रहेगा डायवर्जन

- हल्द्वानी से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के दोपहिया, चौपहिया, रोडवेज और निजी बसें सिंधी चौराहा से डायवर्ट होकर बरेली रोड होते हुए लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- एसटीएच की ओर से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले वाहन टीपीनगर से शीतल होटल, गन्ना सेंटर से डायवर्ट होकर लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए जाएंगे।
- रुद्रपुर से हल्द्वानी के लिए सभी प्रकार के वाहन वाया पंतनगर-लालकुआं होते हुए आएंगे। एआरएम रोडवेज रुद्रपुर श्रीराम कौशल के अनुसार, रोडवेज बसें रुद्रपुर से पंतनगर से लालकुआं होते हुए हल्द्वानी आएंगी-जाएंगी।

रात में एक तार में बिजली देने की मांग

संवाददाता, करियामई

अमृत विचार : रुदायन विद्युत उपकेंद्र से करियामई फीडर को सप्लाई दी जाती है, पिछले कई वर्षों से फीडर ओवरलोड होने से लो वोल्टेज व ट्रिपिंग की समस्या आ रही थी इसी के चलते शासन ने किसानों की समस्याओं का संज्ञान लिया व कृषि फीडर लाइन अलग करा दी। जिसमें किसानों को दिन में ही बिजली देना निर्धारित किया गया है, 12 जनवरी को कृषि फीडर करियामई का उद्घाटन हुआ तो किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई कि अब लाइट दिन में मिलेगी व सटीक वोल्टेज मिलते रहेंगे, लेकिन अब किसानों को चिंता सताने लगी है की रात्रि में बिल्कुल भी लाइट नहीं आ रही है। जिससे निजी नलकूपों पर अंधेरा रहता है साथ ही लाइट न आने के कारण ट्रांसफार्मर चोरी, मोटर चोरी या तार चोरी का डर किसानों को सता रहा है। किसानों राजेंद्र मिश्रा, गोपाल कृष्ण पाराशरी ,सुरेश चंद्र मिश्रा, अशोक चौधरी, नेत्रपाल सिंह, अजय मिश्रा, लक्ष्मी यादव, गौरव शर्मा, पप्पू यादव, अखिलेश उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, महावीर सिंह चौधरी, सहित सैकड़ों किसानों ने मांग की है कि रात्रि में करियामई कृषि फीडर पर एक तार में लाइट दे दी जाए। जिससे चोरी की घटनाओं से बचा जा सके साथ ही रात्रि में रोशनी भी बनी रहेगी, एक तार में लाइट देने से विद्युत विभाग को कोई नुकसान नहीं है क्योंकि निजी नलकूप नहीं चल पाएंगे। निजी नलकूप चालकों ने जिलाधिकारी से एक तार में लाइट दिलाने की मांग की है।

विभाग को रात में लाइट देनी चाहिए, जिससे ट्रांसफार्मर तार, मोटर, और निजी नलकूप में चोरी होने का का भय न रहे। साथ ही ट्यूबवेलों पर अंधेरा भी नहीं रहेगा।
-रघुनंदन मौर्य, किसान

सरकार के आदेशानुसार कृषि लाइन पर दिन में 10 घंटे बिजली दी जा रही है। उक्त शेड्यूल में हम परिवर्तन नहीं कर सकते।
- अशोक बाबू, अवर अभियंता

कुछ दिन पहले ही नये फीडर का उद्घाटन हुआ है। लेकिन अब रात्रि में बिजली न आना चिंता का विषय बन गया है विभाग को कम से कम एक तार में बिजली देनी चाहिए।
-राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, ग्रामीण

करियामई न्यू कृषि फीडर बन जाने से चिंता दूर हो गई थी, कि अब सही समय पर सही वोल्टेज के साथ बिजली मिलेगी। बार-बार लाइट ट्रिपिंग से निजात मिलेगी लेकिन अब रात में लाइट ना आने से ट्यूबवेल पर चोरी होने का अंदेशा बढ़ गया है। पांच पांच नलकूपों पर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं।
-बिजय प्रकाश गौड़, किसान

विभाग को कम से कम एक तार में लाइट रात में देनी चाहिए। जिससे चोरी की आशंका से बचा जा सके। एक तार में लाइट देने से नलकूप भी नहीं चलेगा और किसानों को चोरी होने की आशंका भी नहीं रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

हर न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल 24 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में एक साथ 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बच्चों की बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है। यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने बताया कि सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन व नियमित उपस्थिति, और शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री और डिजिटल संसाधनों (स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी, टीचर्स ऐप) की जानकारी साझा की जाएगी। प्रत्येक न्याय पंचायत के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

आगरा-अलीगढ़ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आगरा और अलीगढ़ मंडलों में सर्जिकल प्रैक्टिस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। आगरा मंडलायुक्त कार्यालय से बुधवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सहयोग से दोनों मंडलों में एक-एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जाएगा, जिससे सर्जिकल प्रशिक्षण एवं उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा। बैठक में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की दक्षता और जवाबदेही जरूरी है। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी, दोनों मंडलों के मंडलीय अपर निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका में बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 23 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था के तहत महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यह दर्शाता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अब महिलाएं केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि मेट के रूप में निगरानी, प्रबंधन और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 32 हजार से अधिक महिला मेट्स को कार्य सौंपा गया है। ये महिलाएं कार्यस्थलों पर श्रमिकों की हाजिरी, काम की गुणवत्ता और प्रबंधन का दायित्व निभा रही हैं। सरकार ने इन महिला मेट्स को 111 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की है, जिससे पारदर्शिता और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

अटल विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और आने वाले वर्षों में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यह बात बुधवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों के सत्यापन तथा प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, आईटी एवं आईटीईएस तथा परिधान जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बैठक में पूजा यादव (सचिव, यूपीबीओसीडब्ल्यू), अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी दिवस : मुख्यमंत्री

योगी ने की कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा, सजेंगी संस्कृति-लोककलाएं व शिल्प, 'एक जनपद-एक व्यंजन' मुख्य आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. दिवस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, विकास यात्रा और जनसहभागिता का भव्य उत्सव बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। सांस्कृतिक उत्सव, लोककलाएं और शिल्प मेले सजेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले की भागीदारी और प्रदेश की आत्मा स्पष्ट रूप से झलके। 'एक जनपद-एक व्यंजन' आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा, जहां हर जिले का स्वाद मिलेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। हर जिले के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्कृति उत्सव से जुड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्कृति उत्सव के लिए 1.75 करोड़ की मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस को संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों के लिए 1.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रति तहसील 50 हजार की धनराशि कार्यक्रमों पर खर्च होगी। संस्कृति विभाग के संयुक्त निदेशक उमा द्विवेदी की ओर से निदेशालय को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, संस्कृति उत्सव के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय व लोक संगीत, नाटक, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक मेले और क्षेत्रीय कला रूपों को मंच प्रदान किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि मानदेय और आवागमन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

दो ग्राम पंचायतों से आधार सेवाएं शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज विभाग ने लखनऊ में ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्रों की शुरुआत कर दी है, जिससे ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाएं अब अपने गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगवां पांडेय व चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं शुरू की गई हैं। पहले दिन 40 से अधिक ग्रामीणों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से यह सुविधा प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित की जाएगी।

नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह में लोकतंत्र को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का स्पष्ट संकल्प उभरकर सामने आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली है। सुशासन, सामाजिक कल्याण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के ऐसे सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता की अपेक्षाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इन मंचों पर हुए संवाद केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके ठोस और सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। उन्होंने नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के और निकट आएंगी तथा जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी।

यूपी का विजन डॉक्यूमेंट आदर्श- हरिवंश : समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के "विजन-2047" डॉक्यूमेंट की सराहना करते हुए इसे सभी राज्यों के लिए आदर्श बताया। **बदले उत्तर प्रदेश की छाप देश के सामने- सतीश महाना :** उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन, त्याग और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए बदले हुए उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रशासनिक छाप देश के सामने रखी है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित

अमृत विचार, लखनऊ : 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेन्द्रित बनाने को लेकर तीन प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसके उपरांत छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को विधानभवन स्थित तिलक हॉल में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी।

विधानभवन में पारित छह प्रमुख संकल्प

1. सभी विधानसभाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।
2. राज्य विधानमंडलों में वर्ष में कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बन सकें।
3. विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, लेकिन नैतिकता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
4. पंचायत से लेकर लोकसभा तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में संवाद और समन्वय के लिए आदर्श नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
5. विधायकों की क्षमता वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग, रिसर्च विंग की मजबूती, डिजिटल लाइब्रेरी और पुरानी बहसों का डिजिटलीकरण किया जाएगा।
6. विधायी निकायों के कार्य संचालन का वस्तुनिष्ठ मानकों पर मूल्यांकन और तुलनात्मक आकलन करने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाया जाएगा, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि उत्पादन बढ़ाने को 600 करोड़ के बजट को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए मिली वित्तीय स्वीकृतियां**

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को गति देने, किसानों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। बजट उपलब्ध होने से किसानों को सिंचाई में राहत मिलेगी और कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासन ने कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उप्र. विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत 60,000 लाख रुपये (600 करोड़ रुपये) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए किसानों को दी जाने वाली विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति हेतु उपयोग की जाएगी। कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में 75 कमरों के आधुनिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए 18.32 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पादन वृद्धि योजना के लिए 4.30 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

साधु-संतों के अपमान का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधु-संतों और शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य और सभी साधु-संत हमारे समाज की शोभा हैं और जनता उनसे आशीर्वाद लेने आती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को राजधानी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर अधिकारी शंकराचार्य से उनके परिचय और प्रमाण पत्र मांग रहे हैं तो यह सनातन धर्म का अपमान है। भाजपा सरकार संविधान, कानून और परंपरा की अवहेलना कर रही है और साधु-संतों, माघ मेले और देश की धार्मिक भावनाओं के साथ असम्मानपूर्ण व्यवहार कर रही है।

महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की नेता अपर्णा यादव लखनऊ में बुधवार को राज्य महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं। जबसे उनके पति व मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा करके तलाक देने का एलान किया है, तबसे वह मीडिया और कार्यक्रमों से दूर हैं। हालांकि बुधवार को उनके एक्स हैंडिल से शाम को 5.30 बजे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी है। 18 जनवरी के बाद यही एक मात्र पोस्ट है।

लखनऊ में बुधवार को उप्र. राज्य महिला आयोग में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।

सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद

अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर अपने सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि अपर्णा की सोशल मीडिया टीम ने यह फैसला उनके पति प्रतीक यादव की तलाक वाली पोस्ट के बाद लिया है।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र के लिए आवेदन होंगे ऑनलाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **10 लाख की आबादी पर बनेगा एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र**

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और प्रशिक्षित चालकों को ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में नए प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) खोले जाएंगे। आटोमेटेड ड्राइविंग ट्रैक का नए सेंटर शुरू के लिए आवेदन प्रक्रिया को अब ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी।

परिवहन मंत्री ने बुधवार को बताया कि वाहन के चालन प्रशिक्षण को वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन किए गए हैं। उक्त क्रम में प्रत्यायन प्राप्त चालन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं उनके क्रियान्वयन के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक केन्द्रों की स्थापना एवं रख-रखाव के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफलाइन थी, लेकिन अब नए विकसित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। पोर्टल को शीघ्र ही लाइव कर दिया जाएगा।

58 जिलों में बदलेगी प्रक्रिया

मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि अब तक 58 जिलों (आईडीटीआर एवं डीटीटीआई को छोड़कर) में प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्रों की कार्रवाई ऑफलाइन माध्यम से की जा रही थी, लेकिन आगे से सभी जिलों में आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10 लाख की आबादी पर एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में लगभग 21 जिलों में इन प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मुलाकात...

जनभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट कर 'मोदी : वैश्विक व्यवस्था के शिल्पकार' पुस्तक भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

क्रूरता बनाम मानवीयता — उन्नाव में झोलाछाप ने गोकशी या गलाघोंटू से बचाव का यूट्यूब देख बिगाड़ा केस, बरेली में जटिल सर्जरी कर गाय को दिया गया जीवनदान

सांस व खाने की नली काटकर डाला पाइप, आईवीआरआई ने बचाई जान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ/महिपाल गंगवार, बरेली

- **अत्यधिक रक्तस्राव होने और सांस में तकलीफ होने की वजह गोवंश के बचने की संभावना थी कम**

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली के प्रधान वैज्ञानिक अभिजीत पावडे ने निराश्रित गाय की सांस नली काटकर क्रूरता से डाला गया करीब 10 इंच का पाइप निकाल दिया। साथ ही डॉ. अमन तिवारी, डॉ हर्षा, डॉ. बलकरण आदि के साथ ढाई घंटे की जटिल सर्जरी कर काटी गई सांस व खाने की नली दोबारा जोड़ उस गोवंश को नया जीवनदान दिया। 'अमृत विचार' के प्रयास से आखिरकार क्रूरता के शिकार इस गोवंश को राहत मिली।

दरअसल, उन्नाव के दयालखेड़ा में किसी झोलाछाप ने निराश्रित गाय को गलाघोंटू से बचाने या फिर शोध करने के लिए सांस की नली काट दी। सांस लेने के लिए नली के एक हिस्से में करीब 10 इंच का पानी का पाइप डाल दिया। इस अप्रशिक्षित कृत्य से खाने की नली भी कटकर अलग हो गई। अधिक रक्तस्राव व हालत गंभीर होने पर उसे छोड़कर किनारे हो गया। रविवार को उन्नाव की हनुमंत जीव आश्रय संस्था ने गाय का रेस्क्यू किया। रात को निजी चिकित्सकों को दिखाया तो हाथ खड़े कर दिए। दूसरे दिन सोमवार को नवाबगंज पशु चिकित्सालय के योग्य सर्जन डॉ. राजेश मौर्या के पास ले गए। उन्होंने भी जटिल सर्जरी और बचने की उम्मीद कम बताकर बरेली ले जाने की सलाह दी। आठ घंटे का सफर तय करने के लिए जरूरी उपचार दिया।

इधर, संस्था के कुछ लोगों ने आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेदी दत्त को अवगत कराते हुए सहयोग मांगा। उन्होंने तत्काल डॉ. किरनजीत सिंह विभागाध्यक्ष और पीआरओ सतीश जोशी को सर्जरी के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गठित कर मंगलवार सुबह जटिल सर्जरी कराई। निदेशक निराश्रित गाय और उसकी यह स्थिति देख स्वयं ओटी देखने पहुंच गए। सब कुछ ठीक होने पर उन्नाव वापस भेज दिया। वहां, डिप्टी सीवीओ सदर डॉ. संजय चतुर्वेदी की निगरानी में आगे का उपचार किया गया।

गाय के गले में पड़ा पाइप।

आईवीआरआई बरेली में सर्जरी के बाद गाय।

एक नली थी गायब, अनास्टोमोसिस विधि से ढूंढकर जोड़ी

सर्जरी के दौरान सांस की नली का एक हिस्सा गायब था। जिसे ऊतक संधि या अनास्टोमोसिस विधि द्वारा एसेल्यूलर ग्राफ्ट यानी कोशिकाविहीन प्रत्यारोप की मदद से ढूंढकर जोड़ा गया। इसके बाद खाने की नली को भी इसी विधि से खोजकर जोड़ा। चूंकि पाइप के निकलते ही बहुत रक्तस्राव भी हुआ। एक्सरे में साफ दिख रहा कि पाइप के लचीले पन की वजह से अंदर डालने के बाद वह मुड़ गया। पाइप मुड़ा होने की वजह से सांस ठीक से आ जा नहीं पा रही थी। अतिउत्साहित झोलाछाप के इस कार्य से पशु की जान पर बन आई।

गोकशी की आशंका यह 5वां केस

डॉ. अभिजीत ने बताया कि गाय की श्वास नली यानी ट्रेकिया और खाने की नली यानी इसोफैगस दोनों कटी थी। प्रथमदृष्टया गोकशी का केस है। इस तरह के यूपी के चार जटिल केस की वह सर्जरी कर चुके हैं। ऐसा ही यह पांचवां केस है। किसी व्यक्ति द्वारा बचाव करके झोलाछाप को दिखाया गया। उसने अपूर्ण ज्ञान जो की यूट्यूब वीडियो के माध्यम से देखकर श्वास नली में एक घरेलू पानी का पाइप 10 इंच तक का ट्रेकिया में डाल दिया और एक इंच पाइप बाहर सांस लेने के लिए बाहर लटका दिया। इससे खून और गंदगी भी सांस के द्वारा फेफड़ों में जाती रही। झोलाछाप की यह प्रैक्टिस जानलेवा हो गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

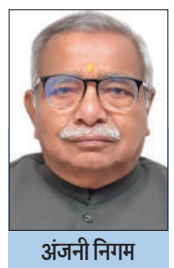

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

> सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज**
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं।
– **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

> विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

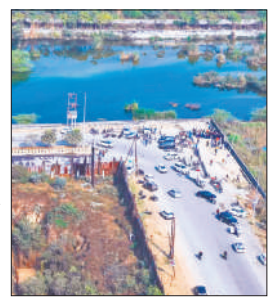

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ .रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक औहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

करियर के नए विकल्प

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

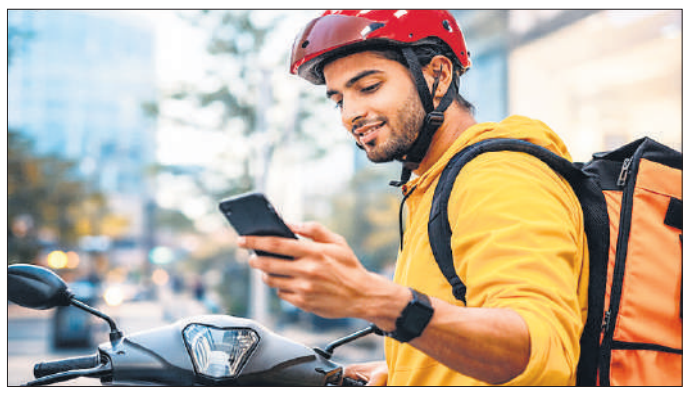

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय

गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े

आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क: लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा): 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)

- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई./बी.टेक./एम.सी.ए./एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

करंट अफेयर्स

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत: (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा

कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके। कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

जॉब और कमाई के अवसर

इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम

ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

● आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

● राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली घटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

कहां हुई चूक

● प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।

● संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।

● प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

● फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।

● प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

राज्य की जवाबदेही

● सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

● बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।

● जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

● मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।

● गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।

● दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

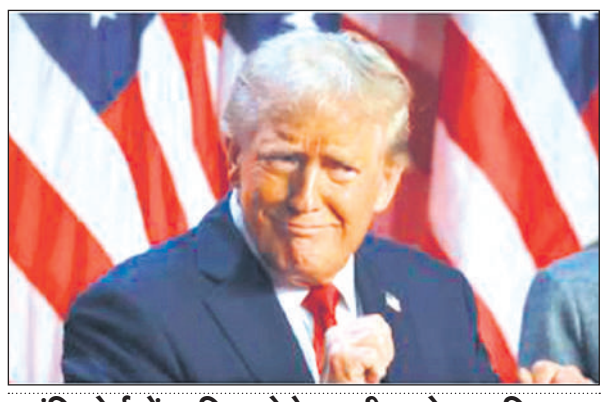

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हुए कई देश

यरुशलम। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए कई देशों ने सहमति जताई है, जबकि यूरोपीय देशों समेत कुछ मुल्कों ने इसका सदस्य बनने का निमंत्रण ठुकरा दिया है। कई देशों ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि 30 देश बोर्ड में शामिल हो सकते हैं, जबकि 50 देशों को निमंत्रण भेजा गया है। अर्जेंटीना, आर्मीनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाखस्तान, कोसोवो, मोरक्को, यूएई, वियतनाम ने बोर्ड में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है जबकि फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने मना कर दिया है। कई देशों ने अभी फैसला नहीं लिया है।

अमेरिका बलपूर्वक ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में नहीं लेगा

● डब्ल्यूईएफ में ट्रंप बोले-अमेरिका ही कर सकता है इस द्वीप की रक्षा

दावोस, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उनका देश ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने के लिए बल प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल अमेरिका ही खनिज-समृद्ध इस द्वीप की रक्षा कर सकता है। ग्रीनलैंड का मुद्दा अमेरिका के यूरोप के साथ बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के केंद्र में है। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में आर्थिक प्रगति हो रही है जबकि यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने 70 मिनट लंबे भाषण में कहा कि ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, तथा ग्रीनलैंड की रक्षा केवल अमेरिका ही कर सकता है। उन्होंने शुल्क, पर्यावरण और आव्रजन सहित कई मुद्दों पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों पर तीखा हमला किया। उनके भाषण के बाद 20 मिनट का प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अपना दावा जताते हुए कहा कि हमने खूबसूरत डेनमार्क के लिए लड़ाई लड़ी, जो एक भूमि नहीं, बल्कि हिमखंड का एक बड़ा टुकड़ा है, जो ठंडे और दुर्गम स्थान पर स्थित है। यह उस चीज की तुलना में बहुत छोटी मांग है जो हमने उन्हें कई दशकों तक दी है। इसे वापस देना हमारी मूर्खता थी। उन्होंने कहा कि लोगों को लगा कि मैं बल प्रयोग करूंगा। मुझे बल प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है। मैं बल प्रयोग नहीं करूंगा। ट्रंप ने कहा कि डेनमार्क का अर्धस्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इसकी रणनीतिक कारणों से जरूरत है, दुर्लभ खनिजों के लिए नहीं। ट्रंप ने कहा कि केवल अमेरिका ही ग्रीनलैंड की रक्षा कर सकता है, और कई यूरोपीय देशों ने भी कई क्षेत्रों पर कब्जा किया है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब हमने ग्रीनलैंड को बचाया और डेनमार्क को सौंप दिया, तब हम एक महाशक्ति थे, लेकिन अब हम उससे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान डेनमार्क को 'कृतघ्न' करार दिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर समझौते के काफी करीब

दावोस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें लगता है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए एक समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि उन्हें पहले ऐसा लगा था कि वह कुछ ही घंटों में इसे कर लेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इसे अभी समाप्त नहीं करते हैं तो वे मूर्ख होंगे, और वह जानते हैं कि वे मूर्ख नहीं हैं। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान यहां ट्रंप ने कहा कि वह युद्ध के मामलों को सुलझाने के काम में अच्छे हैं, हालांकि यह काम संयुक्त राष्ट्र को करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है...लेकिन मैंने चार से अधिक मामलों को सुलझाया। उन्होंने कहा कि यह करना ही होगा। इससे कई जानें बचेंगी, लाखों जानें बचेंगी। यूक्रेन और रूस के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की और पुतिन के बीच जो जबरदस्त नफरत है, वह अच्छी बात नहीं है। यह सुलह के लिए अच्छा नहीं है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि रूस समझौता चाहता है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

● बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

नेपाल चुनाव में 4 पूर्व पीएम भी होंगे मैदान में

● पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं। नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे। वहीं चार मंत्रियों ने भी चुनाव लड़ने को पद से इस्तीफा दे दिया है।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02 .28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

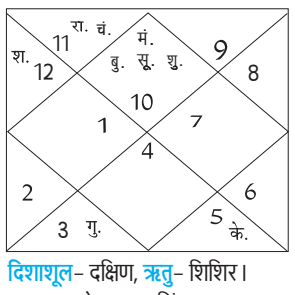

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 14 .27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह — आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला — आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक — आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु — आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन — आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू-39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुंबई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

अभिषेक का विस्फोटक पचासा, भारत 48 रनों से जीता

पांच मैच की शृंखला में भारत की 1-0 से बढ़त, रिंकू ने भी की धमाकेदार बल्लेबाजी

अभिषेक शर्मा

- ग्लेन फिलिप्स के अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड को मिली हार

नागपुर, एजेंसी

भारत ने अभिषेक शर्मा की 35 गेंद में 84 रन की विस्फोटक पारी से बुधवार को पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराया। इस तरह पांच मैच की शृंखला में भारत 1-0 से आगे हो गया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। रिंकू सिंह ने अंत में 20 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। इससे भारत ने 7 विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स (78 रन) के अर्धशतक के बावजूद टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत ने इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को आउट करने के कई मौके गंवाए। लेकिन बड़ा स्कोर होने से भारत को जीत दर्ज करने में परेशानी नहीं हुई। अर्शदीप सिंह ने भारत की शानदार शुरुआत कराई और पारी की दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। दूसरे ओवर में हार्दिक पंड्या ने रचिन रविंद्र को आउट किया, जिससे न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। टिम रॉबिन्सन (21) सातवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर पवेलियन लौट गए। फिलिप्स और मार्क चैपमैन (39 रन) ने 42 गेंद में 79 रन जोड़े। लेकिन अक्षर पटेल ने 14वें ओवर में फिलिप्स को चलता किया। दूबे ने अंतिम ओवर में लगातार गेंद पर डेरिल मिचेल (28 रन) और क्रिस्टियन क्लार्क (0) के विकेट लिए। कप्तान मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले अभिषेक और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। अंत में रिंकू को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के

रिंकू सिंह

तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए। वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है।

कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया। आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

भारत

238/7 (20 ओवर)

संजू का रचिन रविंद्र बो जैमीसन	10
अभिषेक का जैमीसन बो सोढी	84
ईशान किशन का चैपमैन बो डफी	08
सूर्यकुमार का रॉबिन्सन बो सैंटनर	32
हार्दिक पंड्या का चैपमैन बो डफी	25
शिवम दूबे का एवं बो जैमीसन	09
रिंकू सिंह नाबाद	44
अक्षर पटेल का मिचेल बो क्लार्क	05
अर्शदीप सिंह नाबाद	06

गेंदबाजी: जैकब डफी 4-0-27-2, काइल जैमीसन 4-0-54-2, क्रिस्टियन क्लार्क 4-0-40-1, ईश सोढी 3-0-38-1, ग्लेन फिलिप्स 1-0-20-0, मिचेल सैंटनर 3-0-37-1, डेरिल मिचेल 1-0-21-0

न्यूजीलैंड

190/7 (20 ओवर)

कॉनवे का सैमसन बो अर्शदीप	00
रॉबिन्सन का शिवम बो चक्रवर्ती	21
रचिन का अभिषेक बो हार्दिक	01
ग्लेन फिलिप्स का दूबे बो पटेल	78
चैपमैन का अभिषेक बो चक्रवर्ती	39
मिचेल का सब (बिश्नोई) बो दूबे	28
मिचेल सैंटनर नाबाद	20
क्रिस्टियन क्लार्क का रिंकू बो दूबे	00
काइल जैमीसन नाबाद	01

गेंदबाजी: अर्शदीप सिंह 4-0-31-1, हार्दिक पंड्या 2-0-20-1, जसप्रीत बुमराह 3-0-29-0, अक्षर पटेल 3.3-0-42-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-37-2, शिवम दूबे 3-0-28-2, अभिषेक शर्मा 0.3-0-3-0

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद चर्चा को बुलाई गई थी।

आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है। आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और एक वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है।

क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि उसके प्रबंधन ने पिछले कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

शीर्ष से फिसले कोहली, मिचेल ने बनाई जगह

आईसीसी वनडे रैंकिंग

- मिचेल ने ताजा शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

दुबई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न शृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे शृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं

पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की शृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे शृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था। भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को और एलिना स्वितोलिना ने लिंडा क्लिमोविकोवा को दी मात

सबालेंका, गॉफ, अल्काराज और ज्वेरेव तीसरे दौर में पहुंचे

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गॉफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी जीत गए।

सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने ओल्गा डानिलोविच को मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को हराया। ज्वेरेव ने एलेक्जैंडर मुलर को शिकस्त दी। स्थानीय दावेदार एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को मात दी और अब उनका सामना फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिन्होंने फ्रांसिस्को कोमेसाना को हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा जिन्होंने पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को हराया।

महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को हराया। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेंटिन हालिस को हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

सिंधु, लक्ष्य, श्रीकांत और अनमोल इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत बुधवार को इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में जापान की मनामी सुइजु पर कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की।

विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने जापान के कोकी वातानाबे को हराया। अब उनका मुकाबला चौथे वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को हराया। लक्ष्य सेन ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई पर जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अनमोल खरब ने चीनी ताइपे के पाई यू पो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर हो गए। आयुष को इंडोनेशिया के अलवी फरहान से और किरण को इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्ला से हार मिली। प्रणय को केवल 35 मिनट तक चले मैच में मलेशिया के ली ज़ी जिया ने बाहर का रास्ता दिखाया।

महिला एकल में मालविका बंसोड़ को कनाडा की मिशेल ली से हार मिली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा जापान की तोमोका मियाजाकी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। महिला एकल के एक अन्य मैच में आकर्षी कश्यप डेनमार्क की जूली डावल जैकबसेन से हारीं। मिश्रित युगल में भारत का अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। रोहन कपूर और रुथविका गड्डे को फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से जबकि ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को फ्रांस के जूलियन मायो और लीया पालेर्मो से हार मिली।

- आयुष, प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त